page 1 and 8 Feb 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/3/2026 1:33 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

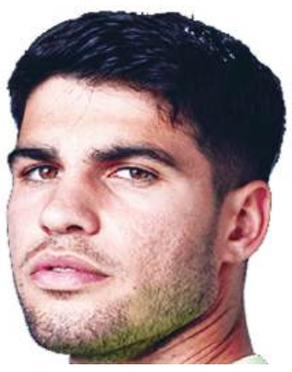

3 सीमावर्ती समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान

5 सचिन ने कार्लोस अल्कराज को पहला आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने पर दी बधाई

8 ब्रिगेडियर उस्मान मेमोरियल झंगर में फहराया गया 60 फीट ऊँचा तिरंगा

न्यूनतम 10

मौसम जम्मू

अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-30 | जम्मू तवी, मंगलवार 03 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का 27 दिवसीय सत्र उपराज्यपाल के संबोधन के साथ शुरू

जम्मू, 02 फरवरी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का 27 दिवसीय सत्र सोमवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के संबोधन के साथ शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार बेरोजगारी से निपटने, बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने और सामाजिक कल्याण उपायों का विस्तार करने पर नए सिरे से ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार ने अपने पहले वर्ष के कार्यकाल में विकास को गरिमा के साथ, विकास को सामाजिक न्याय के साथ और प्रगति को शांति के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। कई वर्षों के अंतराल के बाद निर्वाचित सरकार के गठन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सिन्हा ने कहा कि जन-शासन की ओर संक्रमण ने लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता के विश्वास को मजबूत किया है और सहभागी शासन को बहाल किया है। सरकार स्थानीय निकाय चुनावों के समय पर संचालन और पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल शासन के गहन एकीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल ने कहा कि

विधानसभा अध्यक्ष ने अध्यक्षों के पैनल की घोषणा की

जम्मू, 02 फ़रवरी । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज से शुरू हुए विधानसभा के बजट सत्र के लिए तीन विधायकों को अध्यक्षों के पैनल के रूप में नामित किया। उन्होंने ईदगाह के विधायक मुबारक गुल, सांबा के विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया और बांदीपोरा के विधायक निजामुद्दीन भट को मनोनीत किया।

रोजगार सृजन और युवा सशक्तिकरण सरकार के विकास दृष्टिकोण के केंद्र में हैं। पारदर्शी और योग्यता-आधारित भर्ती के माध्यम से 2025 में 7,650 सरकारी पदों को भरा गया, जबकि 23,800 अतिरिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा 910 अनुकंपा नियुक्तियां की गईं, जिनमें से 464 आतंकी हमलों से प्रभावित परिवारों के परिजनों को दी गईं। मिशन युवा पर प्रकाश डालते हुए सिन्हा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य 1.35 लाख उद्यम इकाइयां स्थापित करना और 4.5 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 1.51 लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया है

जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष ने बजट सत्र के लिए विपक्ष से मांगा सहयोग

जम्मू, 02 फ़रवरी । जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सोमवार को बजट सत्र के लिए सदस्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मतभेदों की गुंजाइश है, लेकिन सभी सदस्यों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और अनावश्यक टकराव से बचना चाहिए। उन्होंने सदस्यों को आश्वासन दिया कि 27 दिनों तक चलने वाले बजट सत्र के दौरान उन्हें पर्याप्त समय दिया जाएगा, जिसके पहले चरण में 19 फरवरी तक प्रतिदिन दो बैठकें होंगी।

राथर ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे सत्र का उपयोग अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित जन मुद्दों को उठाने और उनके समाधान की मांग करने के लिए करें।

जिनमें से 61,900 से अधिक ने ऋण-संबंधी योजनाओं के तहत आवेदन किया है और 800 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण से जुड़े 12,000 से अधिक मामलों को मंजूरी दी गई है। उपराज्यपाल ने कहा कि सामाजिक कल्याण एक प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 25 लाख परिवारों को राशन सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 16.62 लाख परिवारों को मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को वित्तीय सहायता दी जा रही है, जिसमें आयु वर्ग के आधार पर 1,250 रुपये से 2,000 रुपये तक की बढ़ी हुई मासिक पेंशन शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने विवाह सहायता योजना के तहत पात्रता शर्तों को युक्तिसंगत बनाया है ताकि इसका दायरा बढ़ाया जा सके।

राहुल गांधी ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख के अप्रकाशित संस्मरण का किया जिक्र, सरकार और विपक्ष के बीच टकराव,कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली,02 फरवरी।। लोकसभा में सोमवार को विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच पूर्व सेना प्रमुख मुकुंद नरवणे की एक अप्रकाशित किताब का हवाला देने को लेकर तीखी बहस हुई। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से सदन में व्यवस्था बनाए रखने की कोशिशें पूरी तरह नाकाम रहीं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी नरावणे के संस्मरणों का हवाला देने की मांग पर अड़ी रही, जबकि सरकार ने इसका कड़ा विरोध करते हुए इसे नाटक बताया। यह हंगामा सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष के हमले के बाद शुरू हुआ। कांग्रेस सांसद ने अपने भाषण की शुरुआत मैगजीन में छपे एक लेख को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए की, जो पूर्व सेना प्रमुख नरावणे के संस्मरणों पर आधारित था। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने तुरंत और सीधा पलटवार किया। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा कांग्रेस पार्टी की देशभक्ति पर सवाल उठाती है, लेकिन सशस्त्र बलों के एक

शीर्ष अधिकारी द्वारा लिखी गई किताब को रोक रही है। जैसे ही उन्होंने संस्मरण से लाइनें पढ़ना शुरू किया, सत्ता पक्ष की बेंचों से जोरदार विरोध शुरू हो गया। राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी की किताब से उद्धरण देने पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि दावे अस्पष्ट हैं क्योंकि किताब अभी प्रकाशित भी नहीं हुई है। राहुल ने अपना आरोप दोहराते हुए सवाल किया कि सरकार किस बात से डर रही है? इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों को सलाह दी कि वे किसी भी बिना वेरिफाई किए गए विषय का जिक्र न करें, क्योंकि ऐसा करना संसदीय नियमों का उल्लंघन होगा। जब विपक्ष ने नारे लगाने शुरू किए, तो गृह मंत्री अमित शाह ने इसका जवाब दिया। उन्होंने स्पीकर से अपील की कि वे विपक्ष के नेता को गलत दावों से सदन को गुमराह करने से रोकें। राहुल गांधी के दावों पर सदन में हंगामा जारी रहा, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीनी टैंक भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहे हैं। विपक्ष इन आरोपों को उठाने पर अड़ा रहा, जबकि केंद्रीय मंत्रियों सहित सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विरोध करना शुरू कर दिया। भाजपा के कुछ सदस्यों ने संसदीय नियम पुस्तिका का भी हवाला दिया, लेकिन हंगामा और अफरा-तफरी जारी रही।

जम्मू संभाग में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज, दो संदिग्ध व्यक्ति हिरासत में

जम्मू, 02 फ़रवरी । सोमवार को सुरक्षाबलों द्वारा जम्मू संभाग में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के बाद संदिग्ध गतिविधियों में शामिल दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले पखवाड़े में कम से कम चार मुठभेड़ों में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने के लिए किश्तवाड़ जिले के बर्फ से ढके चतरू क्षेत्र में भी तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि सेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) ने सांबा जिले के बारी ब्राह्मणा क्षेत्र में उनके शिविर के पास सुबह लगभग 10:30 बजे दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा और बाद में पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने रविवार देर रात रामनगर सेक्टर के जोफर क्षेत्र में भी संदिग्ध गतिविधि देखी और तुरंत उझ नदी के किनारे जोफर, मार्टा, कुलथियां, सोहन, खेल और चौर मोट्ठू क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिले के रामगढ़ जंगलों और राजौरी जिले के कलास टॉप में भी संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों की सूचना मिली है और तदनुसार दोनों स्थानों पर अभियान चल रहा है। उन्होंने बताया कि ऊपरी इलाकों में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के प्रयासों के तहत पुंछ, राजौरी, कठुआ, डोडा और रियासी जिलों के दर्जनों अन्य ऊँचाई वाले क्षेत्रों में भी तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी हैं। उन्होंने बताया कि किश्तवाड़ के चतरू क्षेत्र में तलाशी अभियान सोमवार को 16वें दिन में प्रवेश कर गया जहां सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की तलाशी टीमें घुटनों तक गहरी बर्फ में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि 31 जनवरी को चतरू के डोलगाम गांव से भाग जाने के बाद आतंकवादियों से कोई नया संपर्क नहीं हुआ है और रविवार को हल्की बर्फबारी के कारण अभियान बाधित हुआ। 10 किलोमीटर के दायरे में अभियान 18 जनवरी को सोनार गांव में हुई मुठभेड़ से शुरू हुआ जिसमें एक पैराट्रूपर बलिदान हो गया और सात अन्य सैनिक घायल हो गए। इसके बाद 22 जनवरी को पहली मुठभेड़ से कुछ किलोमीटर दूर और 26 जनवरी को जनसीर-कंडीवार में दो और मुठभेड़ों की सूचना मिली।

3 और 4 फरवरी को कटरा-श्रीनगर-कटरा विशेष ट्रेनें चलेंगी

जम्मू,, 02 फ़रवरी। जम्मू मंडल रेलवे ने 3 और 4 फरवरी को श्री माता वैष्णो देवी कटरा-श्रीनगर-कटरा के लिए विशेष आरक्षित ट्रेनों का संचालन किया। इस सुविधा का उद्देश्य कश्मीर घूमने आए यात्रियों और पर्यटकों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए उनकी यात्रा को आरामदायक और सुगम बनाना है। 3 फरवरी को ट्रेन संख्या 04627/04628 और 4 फरवरी को ट्रेन संख्या 04629/04630 विशेष रूप से चलाई जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जम्मू श्री उचित सिंघल ने बताया कि इस सुविधा को यात्रियों के लाभ के लिए पहले भी 27 और 28 जनवरी को प्रदान किया गया था।

बजट में माउंटेन टूरिज़्म ट्रेल प्रस्ताव से ट्रैकिंग सेक्टर में नई उम्मीद

जम्मू,, 02 फ़रवरी । केंद्रीय बजट 2026-27 में जम्मू-कश्मीर समेत हिमालयी राज्यों में पर्यावरण के अनुकूल माउंटेन टूरिज़्म ट्रेल विकसित करने के प्रस्ताव से ट्रैकिंग और एडवेंचर टूरिज़्म से जुड़े लोगों में नई उम्मीद जगी है। एडवेंचर टूरिज़्म ऑपरेटरों और वन विभाग के अधिकारियों ने इसे जम्मू-कश्मीर के लंबे समय से ठप पड़े ट्रैकिंग सेक्टर के लिए अहम कदम बताया है। संसद में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों में ईको-फ्रेंडली एडवेंचर टूरिज़्म को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पर्यावरण के अनुरूप माउंटेन टूरिज़्म ट्रेल विकसित किए जाएंगे। वेरिनाग के ट्रैकर शफीक अहमद मीर ने कहा कि यदि ट्रैकिंग रूट्स को सुरक्षा, साइनबोर्ड, वेस्ट मैनेजमेंट और प्रशिक्षित गाइड्स के साथ दोबारा विकसित किया जाता है, तो कश्मीर की ट्रैकिंग अर्थव्यवस्था के लिए यह निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। वहीं मनजूर अहमद सोफी ने कहा कि इस घोषणा से उन सैकड़ों गाइडों और पोर्टरों को नई उम्मीद मिली है, जिनकी रोज़ी-रोटी पिछले वर्षों में बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

आतंकवाद से जुड़े फाइनेंसिंग और सपोर्ट नेटवर्क की जांच में एनआईए के छापे

श्रीनगर, 02 फ़रवरी । कश्मीर घाटी में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को आतंकवाद से जुड़े फाइनेंसिंग और सपोर्ट नेटवर्क की जांच के तहत श्रीनगर, सोपोर और बांदीपोरा में बड़े पैमाने पर छापे मारे हैं।

तलाशी अभियान में स्थानीय पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की मदद लेकर संदिग्ध लोगों से जुड़े रिहायशी एवं अन्य स्थानों की जांच की गई। यह कार्रवाई घाटी में सक्रिय टेरर फाइनेंसिंग नेटवर्क को निशाना बनाने के लिए की जा रही है। एनआईए की टीमों ने स्थानीय पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की मदद से संदिग्ध लोगों से जुड़े रिहायशी और दूसरी जगहों पर एक साथ तलाशी ली। एक अधिकारी ने बताया कि ये छापे घाटी में काम कर रहे टेरर फाइनेंसिंग और सपोर्ट नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर की जा रही कार्रवाई का हिस्सा हैं।

वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का आदेश जारी

जम्मू, 2 फरवरी । स्कूल शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर ने सोमवार को प्रशासन के हित में वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का आदेश दिया।

एसईडी-जेके द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, डीआईईटी बसोली कठुआ के प्रभारी प्राचार्य भूषण कुमार पाठक को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर मुख्य शिक्षा अधिकारी, डोडा के पद पर तैनात किया गया है।

इस बीच, प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा, जो जेकेबीओएसई में तैनाती के आदेश के तहत थे को प्रिंसिपल, डाइट बशोली, कठुआ के पद पर तैनात किया गया है।

आदेश में कहा गया है कि स्थानांतरण और पोस्टिंग तुरंत प्रभावी होंगी।

सेना की वर्दी में दिखे दो संदिग्ध, सांबा में एमईएस परिसर सील कर तलाशी अभियान जारी

जम्मू, 02 फ़रवरी। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) की एक इमारत के पास दो संदिग्ध लोगों को सेना की वर्दी जैसी पोशाक में घूमते देखा गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और सुरक्षा बलों को दी, जिसके बाद सेना ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना बारी ब्राह्मणा इलाके में एमईएस भवन के आसपास हुई। दो अज्ञात व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखते ही स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए सूचना दी। सूचना मिलते ही सेना के जवान मौके पर पहुंचे और एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया। इसके बाद एमईएस परिसर और उसके आसपास तलाशी अभियान शुरू किया गया ताकि दोनों व्यक्तियों की पहचान की जा सके और किसी भी तरह के सुरक्षा खतरे को पूरी तरह से टाला जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और कुछ समय के लिए आसपास के इलाके में लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया जा सका। फिलहाल, अभियान जारी है और आगे की जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। बता दें कि सांबा जिला अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा हुआ है, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पास है। इस क्षेत्र में आतंकी संगठन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद, नकदी और नशीले पदार्थ भेजने की कोशिश करते रहे हैं। बीएसएफ और भारतीय सुरक्षा बल इन ड्रोन को मार गिराने के लिए हाई-टेक एंटी-ड्रोन उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। कई बार ये ड्रोन सीमा पार से ही वापस लौटने पर मजबूर हो जाते हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 से उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक लाभ: योगी

लखनऊ, 2 फ़रवरी । केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने इस बजट में उत्तर प्रदेश के लिए व्यापक और दूरगामी प्रावधान किए हैं। उन्होंने बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने विकास की जो यात्रा तय की है, उसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश की प्रगति में निर्णायक योगदान दे रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जो सुदृढ़ नीतियों और सुशासन का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा 'नेशन फर्स्ट'

की भावना को प्राथमिकता दी है। अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों की बात करना भी उतना ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौलिक अधिकारों की चर्चा तो होती है, लेकिन कर्तव्यों की उपेक्षा कर दी जाती है, जबकि हर भारतीय को अपने कर्तव्यों का बोध कराना जरूरी है। वर्तमान बजट इसी सोच को मजबूती देता है।

उपराज्यपाल सिन्हा ने युवाओं के पोषण, विकसित समाज और राष्ट्र के निर्माण में एनसीसी के योगदान की सराहना की

जम्मू, 02 फ़रवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा, "एक विकसित समाज और एक विकसित राष्ट्र का सही अर्थ केवल बुनियादी ढांचे, आधुनिक प्रौद्योगिकी या आर्थिक प्रगति तक ही सीमित नहीं है।

एक विकसित समाज और राष्ट्र वह स्थान भी है जहां लोगों में मजबूत चरित्र हो, सामाजिक मूल्य दृढ़ हों और सामाजिक ताना-बाना एकता में बंधा रहे।" उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सच्ची पहचान उसके नागरिकों के चिंतन, आचरण और आपसी विश्वास से उभरती है और युवा ही इस चिंतन और आचरण की संपत्ति का निर्माण करते हैं।

उपराज्यपाल ने कहा, "एक विकसित राष्ट्र के केंद्र में युवा शक्ति होती है। युवा किसी

भी देश की सबसे ऊर्जावान, रचनात्मक और परिवर्तनकारी शक्ति होते हैं। युवा ही परिवर्तन के वाहक हैं। वह गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने के बाद नई दिल्ली से लौटे एनसीसी निदेशालय, जम्मू कश्मीर और लद्दाख के एनसीसी कैडेटों को संबोधित कर रहे थे। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने युवाओं के पालन-पोषण, निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देने और एक विकसित समाज और राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि एनसीसी ने युवाओं की कई पीढ़ियों को यह समझ दी है कि राष्ट्रीय हित व्यक्तिगत लाभ से ऊपर है और समाज के कल्याण के लिए मिलकर काम करना ही सच्चा नेतृत्व है।

उपराज्यपाल ने कहा, "1948 से एनसीसी ने देश के युवाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया है जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमियों के युवा एक साझा उद्देश्य के साथ एकजुट होते हैं। शिविरों, प्रशिक्षणों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक अभियानों के माध्यम से एनसीसी ने अनुशासन, नेतृत्व, टीम वर्क और सेवा जैसे मूल्यों को लाखों युवाओं के जीवन में उतारा है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है ?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है ? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

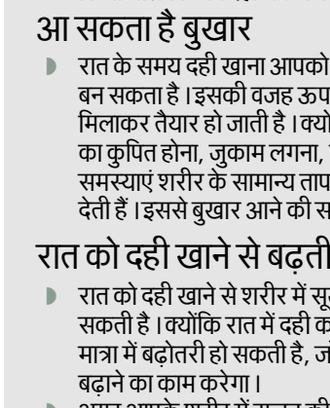

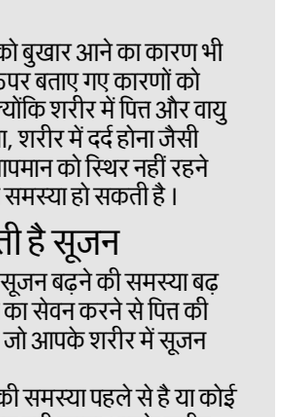

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं र्यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें ? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

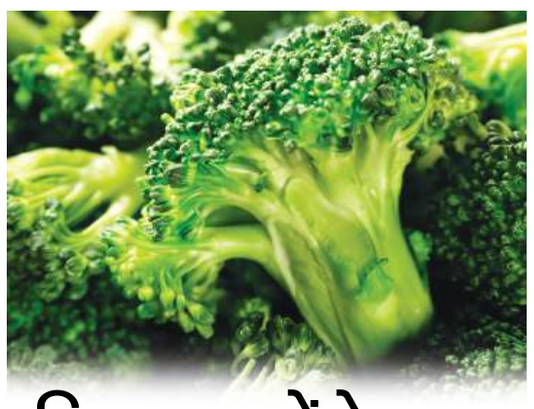

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द ?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है ? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

झांगर में राष्ट्रीय ध्वज के उच्च स्तंभ का उद्घाटन

राजौरी, 02 फ़रवरी (हि.स.)। नौशेरा दिवस समारोह 2026 की तैयारियों का प्रतीक एक भव्य समारोह में नौशेरा ब्रिगेड के कमांडर ने नौशेरा दिवस समारोह 2026 की तैयारियों के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक उस्मान स्मारक झांगर में राष्ट्रीय ध्वज के उच्च स्तंभ का उद्घाटन किया। वीरता, बलिदान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक यह विशाल तिरंगा क्षेत्र में प्रमुखता से खड़ा है जो नागरिकों को उन बहादुर सैनिकों के शौर्य और सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने अटूट साहस के साथ इस क्षेत्र की रक्षा की।

इस अवसर पर एक सैन्य समारोह आयोजित किया गया और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों को प्रेरित करने के लिए, झांगर, शेर, मकरी, नाम्ब और कराली के स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला, पोस्टर निर्माण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्रों ने अपनी रचनात्मक कृतियों के माध्यम से सशस्त्र बलों के प्रति अपनी प्रशंसा और राष्ट्र के नायकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया अतीत को भावी पीढ़ी की आकांक्षाओं से जोड़ा।

कार्यक्रम का समापन तिरंगे को सामूहिक सलामी और एकता, सेवा और राष्ट्रीय अखंडता के मूल्यों को बनाए रखने की प्रतिज्ञा के साथ हुआ। नौशेरा दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम ने सशस्त्र बलों और उनके द्वारा सेवा किए जाने वाले नागरिकों के बीच मजबूत बंधन को और भी पुष्ट किया।

सीमावर्ती समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान

जम्मू, 02 फ़रवरी (हि.स.)। टाइगर डिवीजन ने सीमावर्ती समुदायों की सेवा की भूरे चक में बॉर्डरलेस फाउंडेशन एनजीओ और नागरिक प्रशासन की सक्रिय भागीदारी के साथ टाइगर डिवीजन द्वारा भूरे चक स्टेडियम में एक चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसे मकवाल, सोहंजना, मंडल और मरह के सीमावर्ती गांवों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इस शिविर का उद्देश्य सीमावर्ती समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना था जिससे लोगों और पशुओं दोनों को एक ही छत के नीचे लाभ मिल सके और सामुदायिक कल्याण के प्रति समग्र दृष्टिकोण प्रदर्शित हो सके। अनुभवी डॉक्टरों, पशु चिकित्सा अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करते हुए निःशुल्क चिकित्सा जांच, परामर्श, दवाएँ और निवारक स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्रदान की। इस शिविर में विधायक सुरिंदर भगत और चेनाब ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर कुमार आनंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने लाभार्थियों, चिकित्सा पेशेवरों और स्वयंसेवकों से बातचीत की। गणमान्य व्यक्तियों ने इतने बड़े पैमाने पर और प्रभावशाली पहल के आयोजन के लिए टाइगर डिवीजन, बॉर्डरलेस फाउंडेशन एनजीओ और नागरिक अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने समग्र स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने और बीमारियों की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित चिकित्सा और पशु चिकित्सा शिविरों के महत्व पर जोर दिया विशेष रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में।

जल शक्ति विभाग की कैपेक्स परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, राणा ने कार्यों को तय समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

जम्मू, 02 फरवरी (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जल शक्ति विभाग की यूटी कैपेक्स परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में वर्ष 2025/26 के लिए निर्धारित जल आपूर्ति योजनाओं तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण कार्यों पर विशेष फोकस किया गया। मंत्री ने जम्मू डिवीजन में चल रही परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति, आ रही बाधाओं तथा समय-सीमा का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने सभी लक्षित कार्यों को तय समय में पूरा करने के निर्देश देते हुए पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर दिया। जावेद राणा ने कहा कि जल आपूर्ति और सिंचाई से जुड़े कार्यों का समय पर पूरा होना पेयजल सुरक्षा, सिंचाई ढांचे को मजबूत करने और बेहतर सेवा वितरण के लिए बेहद आवश्यक है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल शक्ति विभाग शलीन काबरा, मुख्य अभियंता आई एंड एफसी जम्मू मनोज गुप्ता, मुख्य अभियंता जल शक्ति जम्मू हनीफ चैधरी, निदेशक योजना इम्तियाज, निदेशक वित्त लतीफ पोसवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने चुनारी गांव, गोरान में वन भूमि से अवैध रूप से काटी और चोरी की गई खैर की लकड़ियों को किया जब्त

सांबा, 02 फ़रवरी (हि.स.)। सांबा पुलिस ने चुनारी गांव, गोरान में वन भूमि से अवैध रूप से काटी और चोरी की गई खैर की लकड़ियों को जब्त किया है। यह गांव सांबा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर, सांबा पुलिस स्टेशन के गोरान पुलिस स्टेशन की एक टीम ने चुनारी गांव में वन भूमि से कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से काटी और चोरी की गई लकड़ियों को बरामद किया है। पुलिस ने सभी खैर की लकड़ियों को मौके पर ही जब्त कर लिया है। सांबा पुलिस स्टेशन में भारतीय वन अधिनियम की धारा 302(2) बीएनएस और 26 के तहत मामला एफआईआर संख्या 30/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एसएसपी ने विजयपुर पुलिस स्टेशन में थाना दिवस का किया आयोजन

सांबा, 02 फ़रवरी (हि.स.)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सांबा ने आज विजयपुर पुलिस स्टेशन में थाना दिवस की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों के लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक का उद्देश्य आम जनता से संवाद करना, उनकी समस्याओं से अवगत होना और नागरिकों में यह विश्वास मजबूत करना था कि पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी वास्तविक शिकायतों के निवारण के प्रति संवेदनशील है। बैठक के दौरान एसएसपी सांबा ने उपस्थित लोगों को अपराध से निपटने और कानून का पालन करने वाले नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सांबा पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी, मवेशी तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। एसएसपी सांबा ने जनता से समाज से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खतरे को खत्म करने में पुलिस के साथ सहयोग करने और अपने-अपने क्षेत्रों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की, साथ ही आश्वासन दिया कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

रामकोट में सीमा पार से आए संदिग्ध गुब्बारे से हड़कंप, पुलिस ने जांच शुरू की

जम्मू/रामकोट, 02 फरवरी (हि.स.)। जिला कठुआ की रामकोट तहसील में उस समय सनसनी फैल गई, जब गवर्नमेंट हाई स्कूल लोअर राजवाल्ता के पास एक संदिग्ध गुब्बारा मिला। एक अध्यापक की नजर गुब्बारे पर पड़ते ही इसकी सूचना प्रशासन को दी गई, जिसके बाद पुलिस और संबंधित एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार यह गुब्बारा सीमा पार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की ओर से भेजा गया हो सकता है। इससे पहले भी सीमावर्ती क्षेत्रों में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें गुब्बारों या ड्रोन के जरिये आपत्तिजनक संदेशए फोन नंबर और भड़काऊ सामग्री भेजने की घटनाएं हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से भारत में मौजूद ओवर ग्राउंड वर्करों तक संदेश पहुंचाने या स्थानीय सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जाता रहा है।

ऑल इंडिया जाट महासभा ने दशक भर के संघर्ष की समीक्षा की, जाट उत्थान के संकल्प को दोहराया

जम्मू, 2 फरवरी। ऑल इंडिया जाट महासभा, जम्मू-कश्मीर (AIJMS-J&K) की कार्यकारिणी बैठक गोल्डन लीफ, बैंक्वेट, बबलियाना, जम्मू में महासभा के अध्यक्ष चौ. मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2014 से अब तक जाट समाज के कल्याण एवं विकास के लिए किए गए प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा वर्तमान सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर मंथन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए चौ. मनमोहन सिंह ने महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की निरंतर मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि AIJMS-J&K ने संकट के समय हमेशा सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के साथ खड़े होकर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने बताया कि सीमा पार गोलाबारी के दौरान बुडेजाल, आर.एस. पुरा के अब्दुल्लियां और नौशेरा गांवों के गंभीर रूप से घायल नागरिकों का इलाज अमनदीप अस्पताल, अमृतसर में कराया गया, जिस पर महासभा की ओर से 18.50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, नौशेरा निवासी श्री मोहन सिंह, जो हाई-टेंशन बिजली लाइन गिरने से 70 से 90 प्रतिशत तक झुलस गए थे, के इलाज के लिए 4.50 लाख की सहायता दी गई और उनका उपचार जीएमसी जम्मू में कराया गया।

महासभा ने सीमा पार गोलाबारी में घायल नागरिकों को सैनिकों की तर्ज पर सैन्य अस्पतालों में उपचार सुविधा दिए जाने की मांग दोहराई। बैठक में यह भी बताया गया कि AIJMS-J&K के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दो बार मुलाकात कर सीमा बाड़ के उस पार स्थित कृषि भूमि, जिसे सुरक्षा कारणों से किसान उपयोग में नहीं ला पा रहे हैं, उसके लिए मुआवजे की मांग उठाई।

बैठक में जम्मू-कश्मीर के जाटों को ओबीसी दर्जा दिलाने के लिए किए गए लंबे संघर्ष को भी याद किया गया। राज्य और केंद्र स्तर पर कई रैलियों के साथ-साथ लगभग 4,000 जाट महिलाओं की भागीदारी वाला ऐतिहासिक महिला सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसके बाद महज 20 दिनों के भीतर सरकार ने जाटों को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने पर सहमति दी, जिसे समाज की बड़ी उपलब्धि बताया गया।

कार्यकारिणी ने आर.एस. पुरा में विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के खिलाफ किए गए आंदोलन की भी समीक्षा की।

खैर की लकड़ी की अवैध ढुलाई में शामिल दो गाड़ियां की जब्त

जम्मू, 02 फ़रवरी (हि.स.)। अवैध लकड़ी की तस्करी के खिलाफ अपनी लगातार मुहिम के तहत जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने अपने अधिकार क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर खैर की लकड़ी की अवैध ढुलाई में शामिल दो गाड़ियां जब्त की हैं। 31 जनवरी/01 फरवरी 2026 की दरमियानी रात को मसीधा कॉलोनी घरोटा में रूटीन नाका चेकिंग के दौरान पुलिस स्टेशन घरोटा की एक पुलिस पार्टी ने एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी (रजि. नंबर डीएल 5सीई - 4901) को रुकने का इशारा किया।

पुलिस को देखकर ड्राइवर मौके से भाग गया। जांच करने पर गाड़ी में लगभग 06-07 क्विंटल खैर की लकड़ी के लट्ठे लदे हुए पाए गए। गाड़ी और जब्त की गई खैर की लकड़ी को पुलिस हिरासत में ले लिया गया और पुलिस स्टेशन घरोटा में रिपोर्ट दर्ज की गई।

उसी तारीख को एक और घटना में रूटीन गश्त/नाका चेकिंग के दौरान पुलिस स्टेशन डोमाना की एक पुलिस टीम ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी (रजि. नंबर डीएल 3 सी एके -0333) को रोका, जिसमें लगभग 03-04 क्विंटल खैर की लकड़ी लदी हुई थी। गाड़ी का ड्राइवर भी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गया। गाड़ी और अवैध रूप से तस्करी की गई खैर की लकड़ी को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

दोनों मामलों में वन अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई के लिए डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) को सूचित कर दिया गया है। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस अवैध वन उत्पादों की तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और वन संसाधनों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

14वां पुलिस शहीद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 3 फरवरी को

कठुआ, 02 फरवरी (हि.स.)। 14वें पुलिस शहीद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मंगलवार 3 फरवरी को कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबला हरियाणा क्रिकेट अकादमी और शिव क्रिकेट क्लब लुधियाना के बीच होगा। इस अवसर पर आईजीपी जम्मू भीमसेन टूटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। फाइनल मैच को लेकर पुलिस प्रशासन और पुलिस शहीद वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट का शुभारंभ 22 दिसंबर 2025 को हुआ था, जिसमें जम्मू-कश्मीर सहित बाहरी राज्यों की कुल 16 टीमों ने भाग लिया। लगभग 18 दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। वहीं 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह के चलते फाइनल मैच में कुछ देरी हुई, क्योंकि जिला कठुआ का गणतंत्र दिवस समारोह स्पोर्ट्स स्टेडियम में ही आयोजित किया गया था। अब मंगलवार 3 फरवरी को फाइनल मुकाबले के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का भव्य समापन किया जाएगा। इस मौके पर एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने जिले के खेल प्रेमियों से फाइनल मैच में बढ़-चढ़कर भाग लेने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

मिशन युवा के तहत 10 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समापन

बसोहली, 02 फरवरी (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बसोहली में मिशन युवा कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के दूसरे बैच का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम श्रम एवं रोजगार विभाग जम्मू-कश्मीर द्वारा उच्च शिक्षा विभाग जम्मू-कश्मीर के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें ब्लॉक बसोहली के नवाचार में रुचि रखने वाले युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 जनवरी 2026 को कॉलेज की प्राचार्य प्रो. राजकिरण शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने मिशन युवा की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और सतत आजीविका के अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मिशन युवा की नोडल अधिकारी एवं आंतरिक संसाधन व्यक्ति डॉ. नेहा बंद्राल ने प्रतिभागियों को मिशन के उद्देश्य और व्यापक दृष्टिकोण से अवगत कराया

नगरी में बढ़ता अपराध, एक हफ्ते में तीन लूट-मारपीट की वारदातों से दहशत, दुकानदार 7 बजे ही कर रहे शटर डाउन

कठुआ/नगरी, 02 फरवरी (हि.स.)। कठुआ जिला मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर दूर तहसील नगरी क्षेत्र में बीते एक सप्ताह के भीतर लगातार तीन मारपीट व लूट की घटनाओं ने इलाके में सनसनी फैला दी है। इन आपराधिक वारदातों के बाद नगरी के लोग खौफ के साए में जीने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि भय के चलते अब दुकानदार शाम करीब 7 बजे ही अपनी दुकानें बंद कर घर लौटने लगे हैं।

ताजा मामला बीते शनिवार शाम करीब 7 बजे का है जब रिटायर्ड सैनिक कृष्ण सिंह अपनी दुकान में बैठे थे। इसी दौरान तीन नकाबपोश युवक दुकान पर पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने तेजधार हथियारों से कृष्ण सिंह को गंभीर रूप से घायल कर दिया और उन्हें दुकान के भीतर फेंक दिया। इसके बाद लूटपाट कर शटर बंद कर मौके से फरार हो गए। घायल कृष्ण सिंह का इलाज फिलहाल आर्मी अस्पताल में चल रहा है। इससे पहले भी एक सप्ताह के भीतर इसी तरह की दो अन्य घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

एक मामले में एक महिला पर हमला कर लूटपाट की गई जबकि इससे पूर्व कठुआ के बुद्धि गांव में एक फास्ट फूड की दुकान पर अज्ञात लोगों ने हमला किया था। लगातार हो रही इन वारदातों से स्थानीय लोगों में भारी रोष है। बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में नगरी के लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन भी किया। इस दौरान कठुआ पुलिस ने दो दिन का समय मांगते हुए आश्वासन दिया कि अपराधियों को जल्द सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। हालांकि लोगों का कहना है कि एक जैसी तीन घटनाओं का सामने आना बेहद चिंताजनक है।

डीडीसी नगरी संदीप मजोत्रा, म्यूनिसिपल कमेटी नगरी के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह अंडोत्रा, पूर्व वार्ड सदस्य रिंका ने कहा कि लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र में डर का माहौल बन गया है। उन्होंने बताया कि नगरी क्षेत्र पंजाब की सीमा से सटा हुआ है, ऐसे में आशंका है कि पंजाब की ओर से भी अपराधी यहां आकर वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या को भी इन घटनाओं की एक बड़ी वजह बताया और कहा कि नशे की गिरफ्त में आए युवक इस तरह के अपराध कर रहे हैं। अनिल सिंह अंडोत्रा ने कहा कि नगरी हमेशा से आपसी भाईचारे और सौहार्द के लिए जाना जाता रहा है जहां इस तरह की घटनाएं पहले कभी नहीं हुईं। उन्होंने आशंका जताई कि बिना दस्तावेजों के बाहरी राज्यों से आए लोग भी इन वारदातों में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पुलिस से मांग की कि नगरी और आसपास रह रहे बाहरी लोगों की गहन जांच की जाए। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पल्ली मोड़ से नगरी की ओर जाने वाला मार्ग जो आगे चलकर पंजाब की तरफ जाता है, अपराधियों के फरार होने का मुख्य रास्ता हो सकता है। लोगों ने मांग की है कि पुलिस इस मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच करे ताकि अपराधियों तक पहुंचा जा सके। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और अब सभी की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

जहाज ग्राउंड पुरिया में ऑपरेशन सिंदूर टूर्नामेंट का फाइनल संपन्न

जम्मू, 02 फ़रवरी (हि.स.)। रियासी जिले की तहसील पौनी के जहाज ग्राउंड पुरिया में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का आयोजन राम सबरूप की टीम द्वारा किया गया था। फाइनल मैच पौनी माड़ी-11 और चोकीचोरा टीम के बीच खेला गया, जिसमें शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चोकीचोरा टीम ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की।

फाइनल मुकाबले को देखने पूर्व राज्य मंत्री अजय नंदा विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया और टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। अपने संबोधन में अजय नंदा ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों से युवा वर्ग खेलों की ओर आकर्षित होता है और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहता है। खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और भाईचारे को मजबूत करते हैं।

Directorate of Urban Local Bodies, Jammu

Panama Chowk, Narwal Road, Adjoining Architect Organization (Near Canal)
Email:dulb-jammu@jk.gov.in, Phone: 0191-2470050
https://jktenders.gov.in

NOTICE INVITING TENDERS
Enit No 18-DULBJ of 2025 dated 30/01/2026

The Director, Urban Local Bodies, Jammu (DULBJ) invites online bids from reputed Indian Legal Entities/ Firms [firm means - Sole Proprietorship Firm/ Partnership Firm/ Limited Company- Corporation/ Limited Liability Partnership/ Government Company/ NGO/ Trust or any other Legal for execution of below mentioned works to be executed in different ULBs falling in Jammu Division:-

Name of Project/ Work(s)	CostCost of document/ Tender Fee (Rs.)	Bid Security/(Earnest Money) (Rs.)	Contract Period
Request for Proposal for Selection of an Agency for Operation and Maintenance of Community Toilets and Public Toilets (CT/PT) at 33 locations (Cluster-1, 2 & 3) in Urban Local Bodies within the jurisdiction of Directorate of Urban Local Bodies (DULB), Jammu.	Rs.5900 (Five thousand and nine hundred only) for participating in all the (03) three clusters. No exemption in document fee is allowed.	Rs.1.25 Lakhs only for participation in all Clusters.	10 years

2. Important critical dates are mentioned below:-

S.No	Particulars	Schedule Date &Time
1	Bid document download Start Date &Time	30/01/2026 at 5.00PM
2	Pre bid meeting date& time	12/02/2026 at 11.30 AM
3	Bid submission start date &time	01/02/2026 after 10.00AM
4	Bid submission end date &time	21/02/2026 up to 5.00 PM
5	Technical bids opening date& time	23/02/2026 at 11:30 AM
6	Financial bids opening date &time	To be intimated separately.

3. For additional details such as important date, detailed scope of work, qualification and eligibility criteria, visit websitehttps://jktenders.gov.infor downloading ofRFP.
4. For participating in the above e-tender, the bidders shall have to get them registered withhttps://jktenders.gov.inand get user ID, password, digital signatures Certificate (DSC) is mandatory to participate in the e-tendering process. For any clarification/ difficulty/ regarding e-tendering process bidders can contact on the given phone number 0191-2470050.
5. The bidders should keep checking the website regularly for any addenda/corrigenda and the bidder should incorporate the same in their bid documents. No addenda/corrigenda shall be published in thenewspaper.
6. Pre bid meeting link shall be shared through corrigendum section / by return mail on requests.

No:-DULBJ/2025/7787208/8114-18 Dated:-30/01/2026

DIP/J-10984/25
Dtd:2-2-2026

Sd/-
Director
Urban Local Bodies
Jammu

संपादकीय

अनसुने नायक

जम्मू और कश्मीर में ऐसे अनेक क्षेत्र और विभाग हैं जहाँ लोग अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवन को सुचारू बनाए रखने के लिए कार्य करते हैं, लेकिन उनसे जुड़े व्यक्तियों को वह पहचान नहीं मिल पाती जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।

इस संदर्भ में एक अत्यंत महत्वपूर्ण संगठन है सीमा सड़क संगठन (बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन - BRO), जो केंद्र शासित प्रदेश में रणनीतिक सड़क संपर्कों के निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। इस दायित्व को निभाने के लिए इस संगठन के कर्मियों को न केवल कठिन शारीरिक श्रम करना पड़ता है, बल्कि रणनीतिक योजना बनाकर ऐसे कार्यों को अंजाम देना पड़ता है, जिनमें अनेक बार बेहद चुनौतीपूर्ण और दुर्गम परिस्थितियों का सामना करना होता है।

इसी कड़ी में, हाल ही में खबर है कि सीमा सड़क संगठन ने एक और साहसिक कार्य को अंजाम देते हुए 112 किलोमीटर लंबी महत्वपूर्ण सड़क को बहाल किया है, जिससे किश्तवाड़ और गुलाबगढ़ पाडर को हिमाचल प्रदेश से संसारी, जम्मू-कश्मीर-हिमाचल सीमा बिंदु के माध्यम से फिर से जोड़ा गया है। यह कार्य अत्यधिक खराब मौसम और कठोर परिस्थितियों में गहन बर्फ हटाने के अभियान के बाद पूरा किया गया।

यह पहली बार नहीं है जब BRO के कर्मियों ने इस तरह का असाधारण कार्य किया हो। जम्मू-कश्मीर और इसके बाहर भी अनेक महत्वपूर्ण सड़क संपर्क BRO की जिम्मेदारी में आते हैं, और इसके कर्मी दिन-रात मेहनत कर यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके अधीन आने वाली सड़कें बर्फबारी, बारिश, भूस्खलन और अन्य चुनौतियों के बावजूद चालू रहें।

BRO कर्मियों के इन वीरतापूर्ण कार्यों के बावजूद, उनकी उपलब्धियाँ शायद ही कभी सुर्खियों में आती हैं, जो निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। यह आवश्यक है कि इन कर्मियों—या यूँ कहें इन अनसुने नायकों—को राष्ट्र के लिए दी गई उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यथासंभव सम्मान और पहचान दी जाए।

कठोर सर्दियों और भारी बर्फबारी से जूझते हुए BRO के कर्मियों ने किश्तवाड़-पाडर-संसारी सड़क को साफ किया है, जो जम्मू-कश्मीर को हिमाचल प्रदेश की पांगी घाटी और लाहौल-स्पीति क्षेत्र से जोड़ती है।

इसी तरह, ये साहसी लोग कश्मीर और जम्मू के दो क्षेत्रों को जोड़ने वाली मुगल रोड पर भी तेजी से बर्फ हटाने का कार्य कर रहे हैं, ताकि इस मार्ग को यथाशीघ्र फिर से खोला जा सके।

ऐसे लोगों को सलाम, जो कठिन परिस्थितियों में काम कर यह सुनिश्चित करते हैं कि सड़क संपर्क बना रहे। यह संपर्क विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कुमाऊं में सांस्कृतिक लोक उत्सव है होली

प्रयाग पाण्डे

कुमाउंनी बैठकी होली में ताल और रागों का गहरा ताल्लुक है। बैठकी होली में पूस के पहले रविवार से वसंत पंचमी तक भक्ति परख होलियां गाई जाती हैं। इन्हें निर्वाण की होली कहा जाता है। निर्वाण की होली का प्रारंभ गणेश जी की स्तुति से होता है। गण पति को भज ले, रसिक वह आदि कहावे। इसके बाद शिव,राम,कृष्ण और दूसरे देवी -देवताओं की स्तुति की जाती है- भव भंजन गुण गाऊं, मैं अपने राम को रिझाऊं। या शिव सुमरिन जिन जाना, सोई तन ब्रह्म समाना।

होली के गीतों में देवताओं की दार्शनिकता और रहस्यात्मकता का वर्णन अधिक होता है- क्या जिंदगी का ठिकाना, फिरत मन क्यों रे भुलाना। निर्वाण की होलियों में आध्यात्मिकता और धार्मिक भावों की प्रधानता होती है- वन को चले दोऊ भाई, उन्हें समझावत नाहिं।

कुमाउंनी बैठकी होली का भी अपना अनूठा अंदाज है। यह शास्त्रीय आधार के रागों को गाने की एक पारंपरिक शैली है। बैठकी होली में हारमोनियम,तबला, ढोलकी, मजीरा और दूसरे वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल होता है। इस होली की खासियत यह है कि इसमें शास्त्रीय गायन की अनुशासनात्मकता होती है। बैठकी होली में कुछ विशिष्ट और रसिक लोग ही हिस्सा लेते हैं।

हिमालय की गोद में बसा कुमाऊं अंचल न केवल अपने नैसर्गिक सौंदर्य, सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के लिए भी विख्यात है, बल्कि यहां मनाई जाने वाली होली का भी अंदाज निराला है। यही वजह है कि कुमाउंनी होली की विशिष्ट पहचान है।

अपना अनोखा रंग है। यहां की होली तन को ही नहीं रंगती, मन को भी उमंग से लबालब भर देती है। कुमाऊं की होली में आंचलिक विशिष्टता है। अनूठा सौंदर्य बोध है। रंग, राग और रागनियों का अदभुत समावेश है। ऋतुराज वसंत को यौवन का सूचक माना जाता है। वसंत ऋतु के आते ही समूची प्रकृति का यौवन एकाएक खिल उठता है। प्रकृति रंग - बिरंगी हो जाती है। विशिष्ट सुगंध और रंग लिए फूल खिलने लगते हैं। देश के अलग - अलग हिस्सों में लोग अपने -अपने अंदाज में वसंतोत्सव के रंग के आगोश में डूब जाते हैं। भारत के कोने -कोने में राग -रंग के उत्सव होली की धूम मच जाती है।

होली भारत के प्राचीनतम त्योहारों में शामिल है। लिहाजा होली पूरे भारत में मनाई जाती है। भारत के अलग - अलग हिस्सों में होली मनाने का अंदाज जुदा है।

स्थानीय इतिहास, मान्यता और परंपराओं के मुताबिक समय और क्षेत्र के अनुसार होली का स्वरूप बदल जाता है। होली की इस विविधता को कुमाऊं अंचल में बेहतर तरीके से समझा और अनुभव किया जा सकता है। भारत के दूसरे क्षेत्रों की बनिस्बत कुमाऊं की होली का रंग कुछ अलहदा है। यहां होली महज एक दिन का पर्व नहीं बल्कि महीनों चलने वाला सांस्कृतिक लोक उत्सव है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पूस के पहले इतवार से रामनवमी तक होली की बैठकें जमने लगती हैं। कुमाऊं की होली के मायने हुड़दंग नहीं है। बल्कि राग-रागनियों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। परालौकिक विश्वास है। यहां की होली में स्थानीय परंपराओं, मान्यताओं और मिथकों का समावेश है। सरलता, उन्मुक्तता और आत्मीयता है। रंगों के द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से रिश्ता कायम रखने की कोशिश है। लोक - मानस में निहित आस्था की सशक्त अभिव्यक्ति है।

कुमाऊं की होली में प्रत्येक कालखंड के सामाजिक इतिहास, परंपरा, धर्म और संस्कृति के गहरे रंग दिखाई देते हैं। यहां की होली के गीतों में यथार्थ और कल्पना का अनोखा मिश्रण है। कुमाऊं की होली के गीतों में भक्ति, रस, कला, माधुर्य, आमोद -प्रमोद और हँसी - ठिठोली का अदभुत समावेश है। देवताओं से जुड़े ज्यादातर होली गीतों की विषय- वस्तु पौराणिक आख्यान से जुडी है। रामायण और महाभारत के अनेक प्रसंग भी होली गीतों की विषय-वस्तु बने हैं। गणेश, शिव, पार्वती की स्तुति, राधा -कृष्ण और राम - सीता द्वारा खेले जाने वाले रंग का वर्णन है। परदेस गए पति की प्रतीक्षा करती नवयौवना की भावनाएं हैं। देवर-भाभी के बीच की हंसी -ठिठोली है। कुमाउंनी होली में ब्रज और उर्दू का गहरा प्रभाव है। विशुद्ध स्थानीय भाषा -बोली में होली के गीत बहुत कम हैं। बावजूद इसके यहां की होली के गीतों में आंचलिक और सांस्कृतिक विशिष्टता साफ झलकती है। देश के दूसरे हिस्सों में प्रचलित होलियों से मिलती - जुलती हुए भी कुमाउंनी होली कई मायनों में अनोखी है। कुमाउंनी होली में राग - रंग, उल्लास के साथ गीत, संगीत और नृत्य पक्ष भी जुड़ा है। होली के पदों की सामूहिक अभिव्यक्ति, नृत्य और संगीत कुमाऊं की होली को देश के दूसरे हिस्से की होलियों से अलग करती है।

कुमाऊं में होली के तीन रूप प्रचलित हैं। बैठकी होली, खड़ी होली और महिलाओं की होली। यहां पूस के महीने के पहले इतवार से बैठकी होली शुरू हो जाती है।

कुमाउंनी बैठकी होली में ताल और रागों का गहरा ताल्लुक है। बैठकी होली में पूस के पहले रविवार से वसंत पंचमी तक भक्ति परख होलियां गाई जाती हैं। इन्हें निर्वाण की होली कहा जाता है। निर्वाण की होली का प्रारंभ गणेश जी की स्तुति से होता है। गण पति को भज ले, रसिक वह आदि कहावे। इसके बाद शिव,राम,कृष्ण और दूसरे देवी -देवताओं की स्तुति की जाती है- भव भंजन गुण गाऊं, मैं अपने राम को रिझाऊं। या शिव सुमरिन जिन जाना, सोई तन ब्रह्म समाना।

होली के गीतों में देवताओं की दार्शनिकता और रहस्यात्मकता का वर्णन अधिक होता है- क्या जिंदगी का ठिकाना, फिरत मन क्यों रे भुलाना। निर्वाण की होलियों में आध्यात्मिकता और धार्मिक भावों की प्रधानता होती है- वन को चले दोऊ भाई, उन्हें समझावत नाहिं।

कुमाउंनी बैठकी होली का भी अपना अनूठा अंदाज है। यह शास्त्रीय आधार के रागों को गाने की एक पारंपरिक शैली है। बैठकी होली में हारमोनियम,तबला, ढोलकी, मजीरा और दूसरे वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल होता है। इस होली की खासियत यह है कि इसमें शास्त्रीय गायन की अनुशासनात्मकता होती है। बैठकी होली में कुछ विशिष्ट और रसिक लोग ही हिस्सा लेते हैं। राग - रागनियों पर आधारित होने बावजूद बैठकी होली का अंदाज प्रकारांतर में सामूहिक गायन जैसा ही होता है। बैठकी होली में राग की शुद्धता से यादा भावाभिव्यक्ति और जन - रंजनता को वरीयता दी जाती है। खास बात यह है कि बैठकी होलियों को गाने वाले यादातर लोग शास्त्रीय संगीत के जानकार नहीं होते हैं। शास्त्रीय संगीत की बुनियादी जानकारी नहीं रखने वाले लोग भी राग - रागनियों पर आधारित होलियां बखूबी गाते हैं। होली गायन की यह शैली श्रवण परंपरा से पीढ़ी -दर- पीढ़ी चलती आ रही है। बैठकी होली राग - रागनियों के आधार पर चार अलग - अलग समयचक्रों में विभाजित है। जैसे रात्रि के प्रथम पहर में कल्याण,यमन - कल्याण,श्याम -कल्याण, केदार, हमीर, विहाग और रात्रि के दूसरे पहर में देश, विहाग, काफ़ी,जंगला काफी, तिलंग, खम्माज, झिझोटी, बागेश्री, शहना बगैरह रागों का गायन किया जाता है।

तीसरे पहर राग- सहाना, बहार जैजैवन्ती, कान्हड़ा और रात्रि के चौथे पहर सुबह के वक्त परज, जोगिया, सोहनी और भैरवी गाई जाती है। दोहपर में राग - पहाड़ी,सुहा और दिन के तीसरे पहर में राग पीलू और भीम पलासी गाए जाते हैं। निर्वाण की होलियों की विषय -वस्तु आमतौर पर देवी - देवताओं से ही जुडी होती है- मालिक सीता- राम, सोच मन काहे को करे।

कुमाऊं के अनेक क्षेत्रों में रामनवमी तक होलियां गाई जाती हैं। काली कुमाऊं और सोर घाटी में रामनवमी तक निर्वाण की होलियां गाए जाने की परंपरा रही है। वसंत पंचमी से होली का रंग कुछ गाढ़ा हो जाता है। इसके बाद होली के गीतों में सौंदर्य के साथ विरह, वेदना, भावुकता और आकुलता भी झलकने लगती है। होली के यादातर गीत सामाजिक यथार्थ को व्यक्त करते हैं । आयो री फागुन मास,पिया बिन हूं मैं अकेली। या फागुन के दिन चार सखी री, अपनो बलम मोहे माँग हूं दे री। परदेस गए प्रियतम की राह देखते थक चुकी प्रेयसी का सब्र जबाव देने लगता है - जा रे कान्हा जा, संदेशा मोरा पियु तक ले जा। आवन कह गए, अजहूं न आए, फागुन मोरा यूं ही बीती जाए। या बिरहन को रंग फीको, कहूं का से मन की बतियां। जिनके प्रियतम घर में हैं,उनको कहा जाता है - जावो बलम जहां रैन बिताई। ना मोसे बोलो, ना घुंघुरू खोलो, ना छुवो नरम कलाई। या नथुली में उलझेंगे बाल, सिपहिया काहे जुल्फे बढ़ाए।

शिवरात्रि से खड़ी होली शुरू हो जाती है। खड़ी होली का ग्रामीण इलाकों में प्रचलन अधिक है। इसमें आम लोगों की भागीदारी होती है। यह ढोलक, नगाड़े और मंजीरे की लय पर सामूहिक रूप से गाए जाने वाली होली है। खड़ी होली का स्वरूप नृत्यात्मक होता है। इसी वजह से इसे खड़ी होली कहा जाता है। गोल घेरे में खास पद संचालन करते हुए सामूहिक होली गायन को खड़ी होली कहते हैं। शिवरात्रि को खड़ी होली का शुभारंभ शिव जी की होली से होता है। जटन विराजत गंग,भोले नाथ दिगम्बर। शिव के जटन से निकसी गंगा,जा सागर में समाई। या फिर तू भज ले भवानी शंकर को। भाल तिलक सिर गंग विराजे,बास कियो गिरी हिमकर को। बाद के दिनों में दूसरे देवी - देवताओं की स्तुति में होलियां गाई जाती हैं। दसरथ को लछिमन बाल -जती, बार बरस सीता संग रहिए,पाप न लागो एक रती। सुर,ताल,लय,नृत्य और भाषा-बोली के लिहाज से कुमाऊं की खड़ी होली देश के अन्य हिस्सों में प्रचलित होलियों से कतई जुदा है। सामूहिक गायन शैली के चलते खड़ी होली में सुर,ताल,लय और नृत्य सभी में एक विशेष प्रकार की सादगी होती है। अधिकांश खड़ी होलियों में संगीत के स्तर पर अंतरा नहीं होता। खड़ी होली हां लय से प्रारंभ होती है और धीरे - धीरे तेज होती चली जाती है। इसमें नृत्य भी हाथों की भावपूर्ण भंगिमा, सहज पद संचालन और शरीर की लचक तथा झौंक तक सीमित होता है। रंग पड़ने के साथ ही चीर बंध जाती है। को ए उ बांधनि चीर रघुनन्दन राजा। को ए उ खेलनि फ़ाग रघुनन्दन राजा। या अछा हां सीता वन में अकेले कैसे रही। कैसे रही दिन-रात, सीता वन में अकेले कैसे रही।

पूर्णमासी आते ही होली श्रृंगार प्रधान हो जाती है। तोसे पूछूं बात बहू चादर में दाग कहां लायो.....। या कहो तो यैं रमि जायँ गोरी नैना तुमारे रसा भरे.....। और चलत पवन ऋतु आई फागुन की। जियरा मोरा नहीं मानत री.....। कुछ दिन बाद होली का श्रृंगार रस पूरे जोबन में आ जाता है। हो झुकि हो मोरे यार जालिम नैना तेरे। नैन बने मिसरी के कुंजे,झुरी - झुरी मरत गंवार। जालिम नैना तेरे.....। दूसरा पक्ष भी पीछे नहीं रहता। तू करि ले अपनों ब्याह देवर हमरो भरोसो झने करियै .....। कुमाऊं में होली का तीसरा रूप है - महिला होली। महिलाओं की होली का स्वरूप बैठकी या खड़ी होलियों से कुछ भिन्न है। घर - घर महिला होली की बैठकें जमती हैं। खूब स्वांग होते हैं। होलियों की धूम मचती है। महिला होली के गायन का एक निश्चित क्रम होता है। सिद्धि के दाता विघ्न विनाशन,होली खेलैं गिरिजापति नन्दन। कुमाऊं की होली में राग -रंग के साथ इस अंचल के धार्मिक,सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन के विविध पक्ष जीवंत रूप से जुड़े हैं।

हिमालय का सान्निध्य और भौतिक पर्यावरण यहां के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष का अभिन्न अंग है। दूसरे लोक उत्सवों की ही तरह कुमाऊं होली भी युगीन चेतना और सामाजिक सरोकारों से अभिन्न रूप से जुडी है। कुमाउंनी होली के गीत समकालीन धार्मिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का भी बखूबी चित्रण करते हैं। इन गीतों में विशिष्ट भौगोलिक और प्राकृतिक विशेषताएं भी दिखाई देती हैं। इसे कवि चारु चन्द्र पाण्डे की रचना के इस अंश से बखूबी महसूस किया जा सकता है -

बुरुशी का फूलों को कुम कुम मारो,
डाना काना छाजि गै बसंती नारंगी।
पारवती यूकि झिलमिलि चादर,
ह्यूं कि परिन लै रंगे सतरंगी।
लाल भई छ हिमांचल रेखा,
शिव जी की शोभा पिडलि दनिकारी.....।

छलड़ी के दिन स्वांग खेले जाते हैं। होलियारों की टोलियां होली गाते हुए पूरे गांव का भ्रमण करती है। यादातर टोलियां गांव के मंदिरों में जा मिलती हैं। देवताओं को रंग अर्पित कर विदाई की होलियां गाई जाती हैं। रंग की गागर सर पै धरे ,आज कन्हैया रंग भरे.....। रंग के साथ आशीष का दौर भी चलता है। गावैं,खेलैं,देवैं आसीस, हो हो हो लख रे। बरस दीवाली बरसै फ़ाग,हो हो हो लख रे। जो नर जीवैं, गावैं फ़ाग,हो हो हो लख रे। इस मधुर - मोहिल गीत - संगीत, नृत्य वाली कुमाऊं की इस निराली होली में यहां की मिट्टी की सोंधी सुगंध है। होली के जरिए कुमाऊं के समृद्ध लोकजीवन और समृद्ध सांस्कृतिक चेतना की झलक देखी जा सकती है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सहजन के फूलों में नवजीवन का उजास

परिचय दास

वसंत की प्रथम आहट के साथ ही सहजन के पेड़ ने अपनी शाखाओं को नवजीवन के उजास से भर लिया। हल्की ठंडी हवा, धूप की धीमी परछाइयां और कोयल की आवाज के बीच सहजन के फूल अपनी नाजुक पंखुड़ियों को खोलने लगे। इन फूलों में एक अलौकिक सादगी थी, जैसे किसी गजल का पहला मिसरा-अनायास, लेकिन भीतर तक स्पंदित कर देने वाला। इन छोटे-छोटे सफेद फूलों की सुगंध में स्मृतियों का एक संसार बसता था। गांव की वह पगडंडी, जहां दुपहरिया की उनींदी हवा में सहजन की डालियां झूलती थीं। उनकी छांव में खेलते बच्चे, दोपहर की थकान से आंखें मूंदकर सुस्ताते किसान और किसी कोने में बैठी कोई स्त्री, जो फूलों को बटोर कर उनकी सब्ज़ी बनाने की सोच रही थी। सहजन का फूल केवल फूल नहीं था, यह किसी विरासत की तरह अगली पीढ़ी को सौंपा जाने वाला एक गीत था-मौन में गाया हुआ लेकिन दिल की गहराइयों तक गूंजता हुआ।

सहजन के फूलों को जब पानी में डुबोया जाता तो वे अपनी कोमलता को त्यागकर पकने के लिए तैयार हो जाते। जैसे जीवन भी तपने पर ही अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। उनकी हल्की कड़वाहट, उनकी मिट्टी की गंध और उनके भीतर बसी हुई मृदुता एक संपूर्ण कविता थी-जिसे सिर्फ स्वाद से ही नहीं, हृदय से भी समझा जा सकता था। सहजन के फूलों की एक अलग ही दुनिया थी-न धूमधाम, न रंगों का जादू, बस सफेदी में लिपटी हुई एक गहरी अनुभूति। वे उन शब्दों की तरह थे, जो बिना किसी शोर के भी भीतर तक असर कर जाते हैं। उनके गिरने का ढंग भी अनूठा था-धीरे-धीरे, बूंद-बूंद की तरह, मानो समय के हाथों में अपनी अंतिम आहुति दे रहे हों।

जब हवा सहजन के फूलों को स्पर्श करती तो वे एक अनकही भाषा में झूम उठते। यह भाषा किसी एक की नहीं थी, यह उन सभी की थी, जिन्होंने प्रतीक्षा की पीड़ा को समझा था। एक विरहिणी नायिका की तरह ये फूल अपनी डालियों से अलग होकर भी किसी अदृश्य प्रेम के साथ जुड़े रहते थे। सहजन के फूलों में प्रेम था-एक ऐसा प्रेम, जो सब कुछ सहकर भी विनम्र बना रहता है। कभी-कभी, जब संध्या उतरती तो सहजन के फूलों से भरी डालियां चुपचाप अपने अस्तित्व को देखती रहतीं। जैसे किसी बूढ़े साधु की आंखों में ठहरा हुआ संतोष। वे फूल, जो दिनभर हवा के साथ हंसे थे, अब निशब्द खड़े रहते- स्वीकृति और समर्पण के साथ। वे जानते थे कि उनकी यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती, वे मिट्टी में मिलकर फिर से जन्म लेंगे, किसी और शाखा पर, किसी और ऋतु में।

सहजन के फूलों की यही विशेषता थी- वे जीवन के सबसे सरल, सबसे अल्पकालिक, लेकिन सबसे अर्थपूर्ण हिस्से थे। वे बिना बोले हमें सिखा जाते थे कि सौंदर्य केवल भव्यता में नहीं, सादगी में भी होता है। वे हमें यह भी सिखाते थे कि जो गिरने में भी आनंद पा सके, वही सच्चे अर्थों में खिला हुआ है।

जब भी कोई सहजन के फूलों को देखता, उसे अपने भीतर कोई भूला-बिसरा गीत याद आ जाता। कोई पुरानी चिट्ठी, कोई अनकहा वादा, कोई अधूरा सपना। वे फूल नहीं थे, वे स्मृतियों की छोटी-छोटी नावें थीं, जो समय की नदी में बहती रहती थीं - शांत, निश्चल, लेकिन हर किसी तक पहुंचने वाली। कई बार, मैं सहजन के उन फूलों को देखता और सोचता - क्या जीवन भी ऐसा ही नहीं है? क्या हम सब किसी शाखा पर लगे हुए फूल ही तो नहीं, जिन्हें एक दिन जमीन पर गिर जाना है? और अगर गिरना ही नियति है तो क्यों न गिरते समय भी अपनी सुगंध को बचाए रखें? क्यों न इस यात्रा को भी सुंदर बना दें?

शायद यही कारण था कि जब भी सहजन के फूल जमीन पर बिखरते, वे किसी उदासी में नहीं बल्कि एक नृत्य में होते थे। जैसे किसी विदा होती आत्मा की अंतिम प्रार्थना। जैसे किसी प्रेमी की वह चुप्पी, जिसमें कोई शिकायत नहीं, सिर्फ समर्पण होता है।

सहजन के फूल सिर्फ पेड़ पर नहीं खिलते, वे स्मृतियों में भी खिलते हैं। वे बचपन की कच्ची धूप में खिलते हैं, वे मां के हाथों की गर्माहट में खिलते हैं, वे किसी पुरानी धुन में खिलते हैं। वे हवा में बहते हैं, मिट्टी में घुलते हैं और फिर किसी नए वृक्ष की शाख पर उग आते हैं। और इस तरह, सहजन के फूल कभी मरते नहीं। वे हर बार नए स्वरूप में लौटते हैं -उसी सादगी, उसी नमी और उसी अव्यक्त सौंदर्य के साथ। सहजन के फूल चुपचाप खिलते हैं- जैसे किसी कविता की सबसे मृदु पंक्ति जो अर्थों के भार से झुकी हुई नहीं बल्कि हल्की होकर हवा में बहती है। वे किसी भी ऋतु के प्रखर नायक नहीं होते, न वसंत के रंगों में खोए रहते हैं, न पतझड़ की उदासी को ओढ़ते हैं। वे बस आते हैं—धीरे से, संकोच के साथ, जैसे किसी पुरानी धुन का पहला सुर, जिसे केवल वही सुन सकता है, जिसकी स्मृतियों में कोई शांत धूप बची हो।

सहजन के फूलों की सादगी में एक अजीब-सी जटिलता है। वे जितने सीधे दिखते हैं, उतने ही गहरे होते हैं। सफेद, नर्म और हल्की गंध से भरे हुए ये फूल किसी मौन गीत की तरह खिलते हैं -शब्दों से अधिक अनुभव में बहते हुए। हवा उन्हें छूती है और वे बिना किसी प्रतिरोध के बहने लगते हैं। जैसे प्रेम में समर्पण का पहला क्षण, जब सब कुछ स्पष्ट नहीं होता लेकिन महसूसना ही पर्याप्त होता है। सहजन के फूल गिरते नहीं—वे उतरते हैं। धीरे-धीरे, जैसे समय के स्पर्श से पिघलकर धरती की गोद में समा रहे हों। उनकी यात्रा किसी संत की प्रार्थना जैसी है -शांत, कोमल, और गहरी। वे न अपने खिलने का उत्सव मनाते हैं, न गिरने की पीड़ा में विलीन होते हैं। वे बस प्रवाह में रहते हैं, उस नदी की तरह जो कभी ठहरती नहीं, लेकिन अपने भीतर सैकड़ों स्मृतियों को संजोए रखती है।

शाम की धूप जब सहजन के पेड़ों से छनकर गिरती है, तो फूलों के छोटे-छोटे चेहरे चमकने लगते हैं। यह कोई चमत्कार नहीं, बस प्रकृति का एक कोमल संकेत है कि सौंदर्य उन्हीं चीज़ों में बसता है, जिन्हें हम अनदेखा कर देते हैं। कभी-कभी, मैं सहजन के फूलों को देखता हूं और सोचता हूं - क्या हम भी ऐसे ही नहीं हैं? अपनी शाखाओं पर किसी अदृश्य वचन में बंधे हुए, एक दिन मिट्टी में लौट जाने के लिए? और अगर लौटना ही है तो क्यों न इन फूलों की तरह उतरें -सुगंध से भरे हुए, हल्के, और स्मृतियों में बसे रहने वाले?

शायद इसीलिए सहजन के फूल केवल फूल नहीं होते, वे जीवन की सबसे सुंदर परिभाषा होते हैं-सरल, क्षणिक लेकिन शाश्वत। कभी-कभी हवा सहजन के फूलों से बातें करती है। वे उसके कानों में धीमे से कुछ कहते हैं, कोई भूली-बिसरी कथा, कोई बीता हुआ वादा, कोई अनसुना गीत। हवा उन्हें छूते ही हल्के हो जाती है, जैसे उन फूलों ने उसे कोई गुप्त मंत्र दे दिया हो-एक ऐसा मंत्र, जो थके हुए पत्तों को सुकून देता है, जो किसी उखड़े हुए जड़ को भी यह भरोसा दिलाता है कि मिट्टी में लौटना भी एक यात्रा ही है, कोई अंत नहीं। जब सहजन के फूल झरते हैं तो धरती को अपने स्पर्श से भर देते हैं। उनका गिरना किसी विरहिणी नायिका के अश्रु जैसा नहीं होता, न ही किसी अधूरे स्वप्न के टूटने जैसा। वे गिरते हैं, जैसे जल में कोई दीप उतारा जाता है—एक धीमी आहुति की तरह, जो बुझने के बजाय और भी गहराई में समा जाती है।

किसी शाम जब हल्की नमी भरी हवा चलती है, सहजन के फूल मद्धिम धूप में झिलमिलाने लगते हैं। उनकी सफेदी में एक गूंज होती है—एक मौन पुकार, जिसे वही सुन सकता है, जिसने कभी किसी चीज को बिना छुए महसूस किया हो। वे कोमल हैं लेकिन उनके भीतर जो स्थिरता है, वह उन्हें कभी पूरी तरह विलीन नहीं होने देती। वे धरती पर गिरकर भी मिट्टी में नहीं खोते, वे अपनी छाप छोड़ जाते हैं - किसी बच्चे की हथेली पर पड़े हल्के स्पर्श की तरह, किसी मां की चुप्पी में छुपी हुई चिंता की तरह।

जब रात गहराने लगती है, सहजन के फूलों का सौंदर्य और भी स्पष्ट हो जाता है। वे अंधेरे के विरुद्ध कोई रोशनी नहीं जलाते, न ही अपनी उपस्थिति का शोर मचाते हैं। वे बस रहते हैं—शांत, प्रतीक्षा में, किसी नए सवेरे की उम्मीद में। शायद इसीलिए सहजन के फूलों का सौंदर्य देखने के लिए आँखों से अधिक हृदय की आवश्यकता होती है।

और मैं सोचता हूं—क्या सौंदर्य का यही अर्थ नहीं? बिना दिखावे के खिलना, बिना किसी शिकायत के झर जाना और फिर भी स्मृतियों में बने रहना? सहजन के फूल हमें यही सिखाते हैं—कि हर अंत के भीतर एक नयी शुरुआत छुपी होती है और हर गिरावट में एक नई उड़ान की संभावना।

सहजन के फूलों में कोई आग्रह नहीं। वे झरने से पहले भी उतने ही निश्चल रहते हैं, जितने शाख पर खिलते समय। कोई आकर्षण नहीं, कोई स्वप्निल रंग नहीं, फिर भी उनका अस्तित्व मिट्टी की सबसे गहरी परत तक अपनी पहचान छोड़ जाता है। वे जैसे किसी आत्मलीन कवि की पंक्तियां हों—नित्य, मौन लेकिन भीतर से उद्दीप्त।

कभी-कभी मैं उन्हें देखता हूँ और सोचता हूँ—क्या प्रेम भी ऐसा ही नहीं होना चाहिए? न कोई आडंबर, न कोई स्वर, बस एक अव्यक्त उपस्थिति। सहजन के फूल प्रेम की तरह गिरते हैं—बिना कोई भार छोड़े लेकिन जिनके होने की अनुभूति देर तक बनी रहती है। जैसे किसी ने जाते-जाते हल्के से माथे पर हाथ रख दिया हो, जैसे किसी ने बिना कुछ कहे कोई वचन दे दिया हो।

रात के अंतिम प्रहर में, जब ओस की बूंदें पत्तों से टपकती हैं, सहजन के फूलों की सफेदी चांदनी से मिलकर और भी उजली हो जाती है। वे ठहरे हुए समय की तरह लगते हैं—न पूरी तरह बीते हुए, न आने वाले समय का हिस्सा। वे उस क्षण में होते हैं, जहां स्मृति और भविष्य के बीच का अंतर मिट जाता है। कोई उन्हें देखकर नहीं ठहरता, कोई उनकी खुशबू को उधार नहीं लेता। फिर भी वे निरंतर खिलते हैं, गिरते हैं और किसी और वसंत में लौट आने के लिए मिट्टी में घुल जाते हैं। यह एक अनिवार्य चक्र है—एक चुपचाप बहती हुई धारा, जो जानती है कि लौटना ही उसका धर्म है। और शायद, यही सहजन के फूलों की अंतिम सीख है—सौंदर्य केवल दिखने में नहीं, बल्कि खो जाने में भी है। गिरकर भी महकने में है और मिट्टी में मिलकर भी किसी नए स्वरूप में लौटने में।

(लेखक, नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में प्रोफेसर हैं। वास्तविक नाम रवींद्र नाथ श्रीवास्तव है।)

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : संजू सैमसन पर गिर सकती है गाज, पूर्व चयनकर्ता ने चुनी अपनी प्लेइंग 11

एजेंसी

मीरजापुर। भारतीय क्रिकेट में T20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर चयन की बहस तेज हो चुकी है और इसी बीच पूर्व चयन समिति अध्यक्ष कृष्णमाचारी श्रीकांत का बड़ा बयान सामने आया है। श्रीकांत का मानना है कि संजू सैमसन को अब और मौके नहीं मिलने चाहिए और टीम मैनेजमेंट को आगे की ओर देखना होगा। चोट को एक तरफ रखते हुए उन्होंने साफ कहा कि मौजूदा फॉर्म और निरंतरता को देखते हुए सैमसन का वर्ल्ड कप की प्लेइंग इ्रढ्ढ में होना मुश्किल दिख रहा है। कृष्णमाचारी श्रीकांत कभी संजू सैमसन के समर्थक माने जाते थे, लेकिन हालिया प्रदर्शन ने उनका नजरिया बदल दिया है। तिरुवनंतपुरम में एक और असफल पारी के बाद श्रीकांत ने कहा कि अब इंतजार की सीमा खत्म हो चुकी है। उनके अनुसार, लंबे समय तक मौके मिलने के बावजूद सैमसन इ्र20 क्रिकेट में खुद को स्थायी विकल्प के रूप में साबित नहीं कर पाए हैं। शुरुआती ओवरों में उनकी तकनीकी कमजोरी और निरंतर फ्लॉप शो चयनकर्ताओं के लिए चिंता का विषय बन गया है। श्रीकांत ने साफ तौर पर कहा कि ओपनिंग जोड़ी में अब अभिषेक शर्मा के साथ ईशान किशन को मौका मिलना चाहिए।

रणजी ट्रॉफी : आयुष डोसेजा का नाबाद शतक, दिल्ली बनाम मुम्बई मुकाबला हुआ ड्रा

मुंबई। आयुष डोसेजा (नाबाद 159) की जुझारू शतकीय पारी की बदौलत दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले को ड्रा कराने में सफल रही। आज यहां दिल्ली ने कल के चार विकेट पर 206 रनों से आगे खेलना शुरु किया। दिल्ली का पांचवां विकेट 67वें ओवर में दिविज मेहरा (46) के रूप में गिरा। उन्हें ओंकार तरमाले ने आउट किया। इस दौरान आयुष डोसेजा एक छोर थामे टीम के लिए रन बनाते रहे और उन्होंने अपना शतक भी पूरा किया। 87वें ओवर में हिमांशु सिंह ने सुमित माथुर 70 गेंदों में (34) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 105 ओवरों के बाद दिल्ली ने छ्ह विकेट पर 407 रनों के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और मैच का अखिरी दिन होने के कारण यह मुकाबला ड्रा रहा। मुंबई के लिए हिमांशु सिंह ने तीन विकेट लिये। ओंकार तरमाले को दो विकेट मिले। तुषार देशपांडे ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

देवदत्त पडिक्कल के शतक से पंजाब को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा कर्नाटक

मोहाली : कप्तान देवदत्त पडिक्कल की 85 गेंद में 120 रन की पारी से कर्नाटक ने यहां ग्रुप बी के अपने आखिरी मैच में पंजाब को पांच विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित की। ग्रुप बी से कर्नाटक (27 अंक) और मध्य प्रदेश (28 अंक) ने नॉकआउट में जगह बनाई। मध्य प्रदेश ने शनिवार को महाराष्ट्र को हराया था। सौराष्ट्र (26 अंक) ने भी शनिवार को चंडीगढ़ के खिलाफ अपना मैच जीता लेकिन कर्नाटक से एक अंक पीछे रह गया। मैच के आखिरी दिन कर्नाटक ने तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस गोपाल के तीन-तीन विकेट की बदौलत पंजाब को दूसरी पारी में 101 ओवर में 256 रन पर आउट कर दिया। कर्नाटक को अधिकतम 40 ओवर में 250 रन बनाने थे लेकिन पडिक्कल के आठवें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने 27.5 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। कर्नाटक के कप्तान के तौर पर अपने पहले मैच में पडिक्कल ने अपनी नाबाद शतक जड़ा जिसमें छ्ह चौके और पांच छक्के लगाए। अनुभवी मयंक अग्रवाल ने भी 36 गेंद में 53 रन बनाए। दोनों ने सिर्फ 12.3 ओवर में 117 रन जोड़े। पंजाब के तेज गेंदबाज एसएस बाजवा ने नौ ओवर से भी कम में 85 रन लुटाए।

सचिन तेंदुलकर ने कार्लोस अल्काराज को पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली : महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को मेलबर्न में एक रोमांचक चार-सेट के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने पर कार्लोस अल्काराज को बधाई दी। तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने इ्र पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलियन ओपन में जो बात सबसे खास थी, वह थी कार्लोस अल्काराज का धैर्य। लंबी रैलियों में, वह शांत रहे, अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा और समझदारी से अपने मौके चुने। जिस तरह से उन्होंने कोर्ट को कवर किया, इतनी तेजी और सटीकता से, उसे देखकर मजा आया! बधाई हो कार्लोस अल्काराज, नोवाक जोकोविच की तरफ से भी क्या शानदार प्रयास था।' वर्ल्ड नंबर 1 अल्काराज ने इतिहास रच दिया, क्योंकि वह रविवार को अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

भारत से मैच के बहिष्कार पर आईसीसी की सख्त चेतावनी, पाकिस्तान की चयनात्मक भागीदारी पर उठे सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले से अलग रहने के पाकिस्तान के फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। आईसीसी ने स्पष्ट कहा है कि किसी वैश्विक टूर्नामेंट में चयनात्मक भागीदारी खेल की निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धी भावना के खिलाफ है तथा इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। यह प्रतिक्रिया उस बयान के बाद आई, जिसमें पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने की अनुमति तो दी, लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में न उतरने की बात कही। हालांकि इस फैसले का आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। आईसीसी ने कहा कि उसे अभी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से औपचारिक सूचना का इंतजार है। परिषद ने अपने बयान में

दोहराया कि उसके टूर्नामेंट समान शर्तों पर सभी टीमों की भागीदारी, निरंतरता और खेल भावना पर आधारित होते हैं। किसी एक मैच का बहिष्कार प्रतियोगिता की पवित्रता को प्रभावित करता है और इससे वैश्विक क्रिकेट ढांचे पर असर पड़ सकता है। आईसीसी ने उम्मीद जताई कि पीसीबी ऐसा समाधान तलाशेगा जो सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करे। भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी आयोजनों का सबसे अधिक दर्शक जुटाने वाला और व्यावसायिक रूप से अहम मैच माना जाता है। इसी कारण दोनों टीमों को अक्सर एक ही समूह में रखा जाता रहा है। नियमों के मुताबिक यदि पाकिस्तान यह मैच नहीं खेलता है तो उसे दो अंक गंवाने पड़ सकते हैं। साथ ही उसकी नेट रन रेट पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा, क्योंकि फॉरफिट की स्थिति में पूरे 20 ओवर उसकी पारी में जोड़े जाते हैं। टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। पाकिस्तान को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। वह 07 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगा, जबकि अमेरिका और नामीबिया से उसके मुकाबले क्रमशः 10 और 18 फरवरी को निर्धारित हैं। अब सबकी नजर इस पर है कि पीसीबी आगे क्या रुख अपनाता है।

देविका सिहाग ने जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब, ऐसा करने वाली बनी तीसरी भारतीय महिला

एजेंसी

बैंकॉक। भारत की उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने इतिहास रचते हुए 2.50 लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट थाईलैंड मास्टर्स जीतकर अपना पहला वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। इसके साथ ही वह पी.वी. सिंधु और साइना नेहवाल के बाद सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गईं। 20 वर्षीय गैरवरीय देविका फाइनल मुकाबले में कोरिया की गोह जिन वेई के खिलाफ शानदार लय में थीं। वह पहला गेम 21-8 से जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 6-3 से आगे चल रही थीं, तभी चोट के कारण गोह जिन वेई को मुकाबले से हटना पड़ा और देविका को विजेता घोषित किया गया। देविका की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु ने भी उन्हें बधाई दी। सिंधु ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि जब मेरे ट्रेनिंग पार्टनर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो मुझे बेहद खुशी होती है। देविका मेरे और कोच इरवांस्याह के साथ बेंगलुरु में ट्रेनिंग करती हैं। उनकी मेहनत और समर्पण को मैंने बेहद करीब से देखा है। उनकी यह जीत अनुशासन, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास का परिणाम है। मुझे उन पर गर्व है। देविका सिहाग का करियर लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल जीतकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब हासिल किया था। इसके अलावा उन्होंने 2025 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत को मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

अल्कराज ने जोकोविच को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता, करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

एजेंसी

मेलबर्न। स्पेन के युवा टेनिस सनसनी कार्लोस अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष एकल फाइनल में दिग्गज नोवाक जोकोविच को चार सेटों में हराकर इतिहास रच दिया। 22 वर्षीय अल्कराज ने 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया और ऐसा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ अल्कराज के नाम अब कुल सात ग्रैंड स्लैम खिताब हो गए हैं–विंबलडन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब, जबकि मेलबर्न पार्क में यह उनका पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब है। वह पुरुष टेनिस में चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले नौवें खिलाड़ी बन गए हैं। अल्कराज और इटली के जैनिक सिनर का मौजूदा दौर में दबदबा लगातार जारी है। पुरुष एकल के पिछले नौ ग्रैंड स्लैम खिताब इन्हीं दोनों खिलाड़ियों में से किसी एक ने जीते हैं। इनके अलावा आखिरी बार ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी नोवाक जोकोविच थे, जिन्होंने सितंबर 2023 में यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया था। इस

जीत से विश्व नंबर एक अल्कराज ने एटीपी रैंकिंग में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया है, जबकि सिनर दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। 38 वर्षीय जोकोविच इस मुकाबले में कई रिकॉर्ड तोड़ने के इरादे से उतरे थे। वह ओपन युग में सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम विजेता बनने के साथ-साथ 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर मार्गरेट कोर्ट (24) से आगे निकलना चाहते थे। हालांकि, यह सपना अधूरा रह गया और 1972 में 37 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले केन रोज़वॉल का रिकॉर्ड अब भी कायम है। फाइनल मुकाबले की शुरुआत जोकोविच ने बेहद आक्रामक अंदाज में की। शानदार सर्विस और बेसलाइन से दबाव बनाते हुए उन्होंने पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। पहले सेट में अल्कराज को रिटर्न पर सिर्फ दो अंक मिले और जोकोविच की जीत की संभावना मजबूत नजर आने लगी थी। दूसरे सेट से मैच की तस्वीर बदल गई।

केंद्रीय बजट में स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट में भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रतिभा विकास, अवसंरचना निर्माण, विनिर्माण और रोजगार सृजन पर केंद्रित पहलों के तहत वित्त मंत्री एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में खेलो इंडिया मिशन के शुभारंभ की घोषणा की। बजट में खेल वस्तु निर्माण (स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग) को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का विशेष आवंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने खेलों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, 'खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरी के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से शुरू की गई खेल प्रतिभाओं के व्यवस्थित पोषण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए, मैं अगले एक दशक में खेल क्षेत्र को बदलने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं। ' खेलो इंडिया मिशन के तहत देशभर में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। वित्त मंत्री के अनुसार, मिशन के प्रमुख फोकस क्षेत्र होंगे– (क) आधारभूत, मध्यवर्ती और एलीट स्तर के प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से एकीकृत प्रतिभा विकास मार्ग।

(ख) कोचों और सहायक स्टाफ का व्यवस्थित विकास।

(ग) खेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एकीकरण।

(घ) खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के लिए प्रतियोगिताएं और लीग।

(ङ) प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए खेल अवसंरचना का विकास।

इस मिशन का उद्देश्य संरचित एथलीट मार्ग तैयार करना, संस्थागत क्षमता को मजबूत करना और सभी स्तरों पर प्रदर्शन परिणामों में सुधार करना है।

युवा-केंद्रित बजट

बजट के युवा-केंद्रित स्वरूप पर जोर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इसमें युवाओं के विचारों और आकांक्षाओं की स्पष्ट झलक है। उन्होंने कहा, 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के दौरान युवाओं ने प्रधानमंत्री के साथ कई नवाचारी विचार साझा किए, जिनसे प्रेरित होकर कई प्रस्ताव तैयार किए गए। इसी कारण यह बजट एक विशिष्ट युवा शक्ति-प्रेरित बजट है। '

वैश्विक खेल निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की क्षमता को पहचानते हुए बजट में खेल वस्तु निर्माण के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा, 'भारत में उच्च गुणवत्ता और किफायती खेल उपकरणों के वैश्विक केंद्र बनने की अपार क्षमता है। मैं खेल वस्तुओं के लिए एक विशेष पहल का प्रस्ताव करती हूं।

गिरनार आरोहण-अवरोहण प्रतियोगिता 2026 : उम्र की तामसी सिंह लगातार छठी बार बनीं राष्ट्रीय चैंपियन

एजेंसी

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ में 18वीं अखिल भारतीय गिरनार आरोहण-अवरोहण प्रतियोगिता-2026 में उम्र की तामसी सिंह लगातार छठी बार राष्ट्रीय चैंपियन बनी हैं।

जूनागढ़ में हुए इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के 12 राज्यों से कुल 516 खिलाड़ियों ने भाग लिया और चार श्रेणियों (पुरुष-सीनियर, महिला-सीनियर, पुरुष-जूनियर, महिला-जूनियर) में मुकाबले हुए।

भवनाथ क्षेत्र से सुबह 6 बजे प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। महिला सीनियर वर्ग में उत्तर प्रदेश की तामसी सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और लगातार छठी बार राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। तामसी ने पांच वर्ष पहले जूनियर वर्ग से इस प्रतियोगिता में शुरुआत की थी और तब से लगातार शीर्ष स्थान

पर बनी हुई हैं। आयोजकों ने बताया कि परिणामों को पूरी पारदर्शिता के साथ तैयार करने के लिए आरएफआईडी तकनीक और आधुनिक सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया।

प्रतियोगिता के परिणाम

पुरुष-सीनियर वर्ग (5500 सीढ़ियां चढ़कर-उतरकर) :
अनिल वसावा - 58.16 मिनट
इन्द्रेस वसावा - 59.16 मिनट
विग्नेश भगवती - 60.19 मिनट
महिला-सीनियर वर्ग (2200 सीढ़ियां चढ़कर-उतरकर) :
तामसी सिंह - 32.14 मिनट
नेहा मिश्रा - 38.55 मिनट
काजल वेगड़ा - 39.26 मिनट
पुरुष-जूनियर वर्ग :
दीवाकर राजभर - 60.52 मिनट
विमल वणजारा - 64.10 मिनट
अंकुर - 65.19 मिनट
महिला-जूनियर वर्ग :
बंधन यादव- 37.20 मिनट
अस्मिता कटेशिया- 37.36 मिनट
काजल सोलंकी- 38.67 मिनट

इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कठिन चढ़ाई और अवरोहण को पार करते हुए अद्भुत साहस और सहनशक्ति का परिचय दिया। तामसी सिंह की लगातार छठी जीत ने इस प्रतियोगिता को और भी खास बना दिया।

पाकिस्तान करेगा भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार, न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा बाकी मुकाबले

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में एक नया मोड़ आ गया है। पाकिस्तान सरकार ने अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति तो दे दी है, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले लीग मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है। यह मुकाबला श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाना था। राजनीतिक तनाव के चलते पाकिस्तान ने भारत में अपने मैच खेलने से पहले ही इनकार कर दिया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू श्रीलंका शिफ्ट कर दिए। भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से हुए समझौते के अनुसार, जब भी दोनों देशों में से कोई आईसीसी इवेंट की मेजबानी करेगा, तो द्विपक्षीय मुकाबले न्यूट्रल स्थल पर खेले जाएंगे। इस पूरे घटनाक्रम में बांग्लादेश का मुद्दा भी जुड़ा है। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर अपने मैच भारत से

बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद बांग्लादेश ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। पाकिस्तान ने इस मामले में बांग्लादेश का समर्थन किया था और एकजुटता दिखाने के संकेत दिए थे।

बेसिक शिक्षा की टीम बनी क्रिकेट प्रतियोगिता की चैम्पियन

एजेंसी

प्रयागराज। महानगर के एंग्लो बंगाली इंटर कालेज के मैदान पर शिक्षा विभाग प्रयागराज द्वारा एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसका फाइनल मुकाबला बेसिक शिक्षा और निदेशालय के बीच खेला गया। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग की टीम ने धमाकेदार जीत हासिल कर प्रतियोगिता की चैम्पियन बनकर ट्रॉफी जीत ली।

प्रतियोगिता में डीआईओएस, बेसिक शिक्षा, शिक्षा निदेशालय, शिक्षा विभाग के जेडी की टीमों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता के सभी मैच दस ओवर के खेले गए। सेमीफाइनल मैच शिक्षा निदेशालय और शिक्षा विभाग के जेडी की टीम के बीच में खेला गया। जिसमें निदेशालय की टीम विजय प्राप्त कर फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनल मैच बेसिक शिक्षा और डीआईओएस माध्यमिक शिक्षा

के बीच खेला गया। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग की टीम ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बेसिक शिक्षा और निदेशालय के बीच खेला गया। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग की टीम ने धमाकेदार तरीके से जीत हासिल कर प्रतियोगिता की चैम्पियन ट्रॉफी जीत ली। इस प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विभाग टीम के कप्तान बीएसए प्रयागराज अनिल कुमार और टीम के उपकप्तान एडी बेसिक संजय कुशवाहा के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा विभाग की टीम ने प्रतिनिधित्व किया और उन्हीं के कुशल नेतृत्व में टीम ने ट्रॉफी जीत कर विजय प्राप्त की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिक्षा विभाग के जेडी द्वारा समस्त खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता एक अद्भुत और उत्साहित कर देने वाली प्रतियोगिता थी। इस तरह की प्रतियोगिता हर साल आयोजित की जाएगी, जो बहुत ही खुशी की बात है। ये एक नई पहल होगी, जिससे खेल भावना और अधिकारियों विभागों के बीच आपसी सामंजस्य बनेगा। उन्होंने प्रतियोगिता को सकुशल सम्पन्न कराने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बधाई दी। उक्त अवसर पर बीईओ शिव औतार, वरुण मिश्रा, अखिलेश कुमार, रिजवान खां व लालजी शर्मा तथा बेसिक शिक्षा विभाग की सहायक अध्यापिका व राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट खिलाड़ी पूनम गुप्ता, माध्यमिक के जिला खेल सचिव बृजेश श्रीवास्तव आदि अधिकारी, कर्मचारी व शिक्षक उपस्थित रहे।

हरियाणा ने जीता 72वीं महिला सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी

हैदराबाद। 72वीं महिला सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप भारतीय महिला कबड्डी की बढ़ती ताक़त और गहराई का सशक्त उदाहरण बनी। लीग चरण में लगातार अच्छे प्रदर्शन से लेकर नॉकआउट मुकाबलों में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा और अंत में रोमांचक फाइनल तक यह टूर्नामेंट हर स्तर पर यादगार रहा। लीग चरण ने प्रतियोगिता की मजबूत नींव रखी। भारतीय रेलवे, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु ने अपने-अपने पूल में सबसे अधिक निरंतरता दिखाई। इन टीमों ने सुदृढ़ डिफेंस और प्रभावी रेडिंग के दम पर बढ़त बनाई। तमिलनाडु की कार्तिका आर ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार आक्रमण से सभी का ध्यान खींचा, जबकि उत्तराखंड की भूमिका और छत्तीसगढ़ की छाया ने लगातार कई मैचों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। कई टीमों ने लीग चरण में ऐसी संयोजन तैयार किए, जो आगे चलकर नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक साबित हुए।

नॉकआउट चरण में मुकाबलों की तीव्रता और बढ़ गई। भारतीय रेलवे ने क्वार्टरफाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई, जबकि हरियाणा ने सही समय पर लय पकड़ ली। क्वार्टरफाइनल का एक यादगार मुकाबला तब देखने को मिला, जब तमिलनाडु ने चंडीगढ़ को करीबी मुकाबले में हराया, जिससे यह साफ हुआ कि अहम क्षणों में धैर्य कई बार पूर्व-आकलन पर भारी पड़ता है। सेमीफाइनल में हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच खेला गया मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे निर्णायक मैचों में से एक रहा। लीग और क्वार्टरफाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद हिमाचल प्रदेश को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। हालांकि, हरियाणा ने संयम और अनुशासन का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दबाव झेला और अंतिम चरण में मैच पर नियंत्रण स्थापित किया। निकिता ने नेतृत्व करते हुए अहम भूमिका निभाई, जबकि हरियाणा के डिफेंस ने हिमाचल के आक्रामक प्रयासों को प्रभावी ढंग से रोका और टीम को फाइनल में पहुंचाया। फाइनल मुकाबले में हरियाणा और भारतीय रेलवे आमने-सामने थे। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और बढ़त कई बार बदली। अंतिम मिनटों में हरियाणा ने जबरदस्त वापसी करते हुए बढ़त हासिल की और खिताब अपने नाम किया। फाइनल में निकिता ने 17 अंक जुटाकर शानदार प्रदर्शन किया और टीम की जीत की आधारशिला रखी।

बालिका अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर के लिए निकिता दास का चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। बालिका अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर के लिए मुरादाबाद निवासी क्रिकेटर निकिता दास का चयन हुआ है।

निकिता ने हाल ही में अयोध्या में 21 जनवरी से आयोजित हुए क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग किया था। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि निकिता दास मुरादाबाद के मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा नौ की होनहार छात्रा है। यह बचपन से ही क्रिकेट खेल रही है। अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर कि अभी तिथि व स्थान घोषित नहीं हुआ है। निकिता के चयन पर मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रेनूका जोएल, खेल प्रभारी क्लेरिस सिंह सहित अन्य शिक्षिकाओं ने बधाई दी है।

भारत ने पाकिस्तान को हराकर अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

बुलावायो। अंडर-19 वर्ल्ड कप के एक बेहद रोमांचक लेकिन रणनीतिक रूप से हैरान करने वाले मुकाबले में भारत ने सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया है। पाकिस्तान के सामने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रनों के लक्ष्य के साथ-साथ एक कठिन डेडलाइन भी थी, लेकिन पाकिस्तानी टीम ने सेमीफाइनल के गणित को सुलझाने के बजाय केवल मैच जीतने पर ध्यान दिया, जिसके चलते वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। और आखिर में मैच भी नहीं जीत सके। सेमीफाइनल के समीकरण के अनुसार, पाकिस्तान को न केवल भारत को हराना था, बल्कि अपने नेट रन-रेट को बेहतर करने के लिए इस लक्ष्य को 33.3 ओवरों के भीतर हासिल करना था। यदि पाकिस्तान ऐसा कर लेता, तो वह भारत को पीछे छोड़कर अंतिम चार में पहुंच जाता। हालांकि, मैदान पर नजारा इसके बिल्कुल विपरीत रहा। पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही बेहद धीमी बल्लेबाजी की, जिससे ऐसा लगा कि उनका मिशन सेमीफाइनल में पहुंचना नहीं, बल्कि किसी भी तरह केवल भारत को हराना है। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए या तो यह मैच जीतना था, या फिर पाकिस्तान को 33.3 ओवरों तक लक्ष्य हासिल करने से रोकना था। पाकिस्तान की धीमी शुरुआत ने भारत का काम आसान कर दिया। जैसे ही मैच 34वें ओवर में प्रवेश कर गया, भारत की सेमीफाइनल में जगह तकनीकी रूप से पक्की हो गई। पाकिस्तानी टीम की इस रणनीति पर क्रिकेट विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है, क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में बने रहने के मौके को खुद ही हाथ से जाने दिया। भारत ने पाकिस्तान को 58 रनों से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश पा लिया है। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने आई भारतीय टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई और 252 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। जवाब में पाकिस्तान टीम 194 रन ही बना पाई। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान, पहले ही वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश पा चुके थे। ऐसे में भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं, क्योंकि इसी मुकाबले का परिणाम तय करता कि सेमीफाइनल में जाने वाली चौथी टीम कौन सी होगी। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 252 रनों का लक्ष्य दिया था। चूंकि नेट रन-रेट में पाकिस्तान बहुत पीछे था, इसलिए उसे 33.3 ओवरों में यह लक्ष्य हासिल करना था। उस्मान खान, कप्तान फरहान यूसुफ और सलामी बल्लेबाज हमजा जहूर ने एक समय टीम इंडिया की धड़कनें बढ़ा दी थीं, लेकिन पाकिस्तान का लोवर मिडिल ऑर्डर और पुछल्ले बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप हो गए। पाकिस्तान टीम एक समय 30वें ओवर में केवल 2 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना चुकी थी। पाकिस्तान का स्कोरबोर्ड 5 से ज्यादा रन रेट से आगे बढ़ रहा था। पाक टीम आसान जीत की ओर अग्रसर थी, लेकिन तभी आरएस अंबरिस ने कप्तान फरहान यूसुफ को 38 के स्कोर पर आउट कर दिया. मैच का रुख यहीं से पलट चुका था। इसी बीच कप्तान आयुष म्हात्रे का भी खतरनाक स्पेल शुरू हुआ, जिन्होंने थोड़ी देर बाद ही अहमद हुसैन को आउट करके पाकिस्तान टीम को संभलने का मौका नहीं दिया. इसके बाद भी उस्मान खान बचे हुए थे, लेकिन म्हात्रे ने उन्हें 66 के स्कोर पर आउट करके पवेलियन भेज दिया।

विकासोन्मुख, संतुलित और विकसित भारत के लक्ष्य वाला बजट : उद्योग जगत

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को विकासोन्मुख, संतुलित और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने जारी बयान में कहा कि बजट आर्थिक वृद्धि को तेज और स्थायी बनाने, लोगों की आकांक्षाओं को सशक्त साझेदारी में बदलने और विकास के अवसरों तक समावेशी पहुंच बनाने के 'तीन कर्तव्यों' को पूरा करता है। उन्होंने बताया कि 12.2 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय बुनियादी ढांचे को मजबूती देगा और आपूर्ति चेन की बाधाओं को दूर करेगा। पीएचडीसीसीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं महासचिव डॉ. रंजीत मेहता ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को सेमीकंडक्टर निर्माण से जोड़ते हुए लिथियम-आयन सेल्स और सोलर ग्लास निर्माण के लिए पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क छूट तथा परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए छूट को 2035 तक बढ़ाना अहम कदम है। रक्षा क्षेत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएचडीसीसीआई रक्षा एवं एयरोस्पेस समिति के चेयर अशोक अतलुरी ने कहा कि 7.85 लाख करोड़ रुपये का रक्षा आवंटन और 75 प्रतिशत घरेलू खरीद अनिवार्यता रणनीतिक स्वायत्तता की दिशा में निर्णायक संकेत है।

बजट 2026-27 समावेशी, वृद्धि और रोजगार बढ़ाने वालाः चेयरमैन, ईएसी-पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने कहा कि बजट 2026-27 समावेशी है और वृद्धि तथा रोजगार को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट कारोबारी सुगमता के साथ ही रहन-सहन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। देव ने लिंक्डइन पर पोस्ट किया, 'बजट 2026-27 'विकसित भारत' के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अगला कदम है। यह वृद्धि, समावेश और रोजगार की दिशा में बढ़ने वाला बजट है।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए कर छूट, और कृषि तथा पर्यटन क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन की घोषणा की।

बजट में लाभांश, म्यूचुअल फंड आय से जुड़े ब्याज खर्चों पर कटौती खत्म करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। सरकार ने लाभांश और म्यूचुअल फंड आय से संबंधित ब्याज खर्चों पर मिलने वाली कटौती को खत्म करने का प्रस्ताव रखा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस प्रस्ताव से यह मौजूदा प्रावधान खत्म हो जाएगा, जिसके तहत लाभांश या म्यूचुअल फंड आय के 20 प्रतिशत तक के ब्याज खर्चों पर कटौती की अनुमति मिलती थी। आम बजट 2026-27 के अनुसार, ''यह प्रस्ताव है कि लाभांश आय या म्यूचुअल फंड की इकाइयों से होने वाली आय के संबंध में किए गए किसी भी ब्याज व्यय पर कोई कटौती नहीं दी जाएगी। साथ ही, एक तय सीमा तक ऐसी कटौती की अनुमति देने वाले मौजूदा प्रावधान को हटाने का भी प्रस्ताव है।''यह बदलाव आयकर अधिनियम, 2025 का हिस्सा है, जो एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। अब अगर निवेशक कर्ज लेकर निवेश करते हैं, तो उनके ऋण के ब्याज जैसे खर्चों को लाभांश या म्यूचुअल फंड आय से घटाया नहीं जाएगा। इससे ऐसी आय पर कर योग्य राशि प्रभावी रूप से बढ़ जाएगी।

सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर जारी; चांदी रुपये 16000 तक टूटी, सोना रुपये 3400 सस्ता

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। सोने 3400 रुपये तक सस्ता हो गया। वहीं चांदी में 16,000 रुपये तक की गिरावट देखने को मिली। कीमतों में अस्थिरता का दौर जारी है। एमसीएक्स पर सोने का भाव 3,415 रुपये गिरकर 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इसमें 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी 15,939 रुपये सस्ती होकर 2.49 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई। इसमें छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट

सोमवार की शुरुआती ट्रेडिंग में अंतराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड करीब 4फीसदी तक फिसला, जबकि चांदी में भी इसी के आसपास गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, 12फीसदी तक टूटने के बाद चांदी 80 डॉलर प्रति औंस के स्तर से ऊपर टिक गई। इससे पहले सत्र में चांदी ने अब तक की सबसे बड़ी इंट्राडे गिरावट दर्ज की थी, जो बीते 10 वर्षों की सबसे तेज गिरावट मानी जा रही है।

क्या है गिरावट के कारण?

बीते एक साल में सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थीं, जिसने अनुभवी निवेशकों को भी चौंका दिया था। जनवरी में यह तेजी और तेज हो गई थी, जब वैश्विक तनाव, कमजोर होती मुद्राएं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को लेकर चिंताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने-चांदी का रुख किया। हालिया गिरावट की बड़ी वजह शुक्रवार को सामने आई वह खबर मानी जा रही है, जिसमें कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फेड चेयर के तौर पर केविन वॉर्श को नामित करने की योजना बना रहे हैं। इस खबर के बाद डॉलर मजबूत हुआ और उन ट्रेडर्स की धारणा कमजोर पड़ी, जो नरम डॉलर की उम्मीद लगाए बैठे थे।

सरकार ने बजट में अंतरिक्ष विभाग को आवंटित किए 13 हजार 705 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का आम बजट पेश किया। इस बजट में अंतरिक्ष विभाग को 13,705.60 करोड़ रुपये आवंटित किये गए हैं, ताकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) नए रॉकेट और अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व मानव अंतरिक्ष उड़ान के सपने को पूरा कर सके। चालू वित्त वर्ष में अंतरिक्ष विभाग को 13,705 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले साल के 13,416 करोड़ रुपये से थोड़ा ज्यादा है। पिछले साल विभाग को कुल 12,448.60 करोड़ रुपये मिले थे। 2026-27 के बजट में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए 10,397 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसका उपयोग इसरो के प्रमुख केंद्रों जैसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र, इसरो प्रणोदन परिसर और यूआर राव उपग्रह केंद्र की गतिविधियों में किया जाएगा।

लॉन्च व्हीकल और उपग्रह परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन इस सहायता में रॉकेट (लॉन्च वाहन) परियोजनाएं और उपग्रह परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें विकास और संचालन से जुड़ी योजनाएं और इन-स्पेस की योजनाएं भी शामिल हैं। कुल बजट में से 7,329.70 करोड़ रुपये सामान्य खर्च के लिए और 6,375.90 करोड़ रुपये पूंजीगत खर्च के लिए रखे गए हैं, जो पिछले साल की संशोधित पूंजी योजना से लगभग 1,066 करोड़ रुपये ज्यादा हैं। इसरो इस वर्ष गगनयान मिशन की मानव रहित उड़ानें करेगा और अगली पीढ़ी का लॉन्च व्हीकल भी बना रहा है, ताकि भारी पेलोड को अंतरिक्ष कक्षा में छोड़ा जा सके। भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट (सेवानिवृत्त) ने कहा, इसरो के आवंटन में वृद्धि एक अहम संकेत है, जो लॉन्च व्हीकल, सैटेलाइट और वैज्ञानिक मिशनों में इसरो के नेतृत्व वाले कार्यक्रमों में निजी क्षेत्र की गहरी भागीदारी को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

यूपीआई लेन-देन जनवरी महीने में 28.33 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाला लेन-देन जनवरी में 28.33 लाख करोड़ रुपये के मूल्य और 21.70 अरब की संख्या के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से जारी की गई आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। एनपीसीआई के मुताबिक दिसंबर 2025 में यूपीआई के जरिए लेन-देन का मूल्य 27.97 लाख करोड़ रुपये रहा था। मासिक आधार पर लेन-देन के मूल्य में 21 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में औसत दैनिक लेनदेन 70 करोड़ रहा जिसका औसत मूल्य 91,403 करोड़ रुपये था। वर्ल्डलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रमेश नरसिम्हन ने में कहा कि यूपीआई की वृद्धि की गति लगातार

मजबूत हो रही है। केवल जनवरी में भारतीयों ने 28.33 लाख करोड़ रुपये के 21.7 अरब यूपीआई लेनदेन किए, जो दिसंबर की तुलना में ज्यादा है, जो सालाना आधार पर 28 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्शाता है।

सकल जीएसटी संग्रह जनवरी में 6.2 फीसदी बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह जनवरी महीने में आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर 6.2 फीसदी बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि जनवरी में शुद्ध माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह में 7.6 फीसदी की वृद्धि हुई और यह करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, कुल 'रिफंड' में 3.1 फीसदी की गिरावट आई, यह 22,665 करोड़ रुपये रहा।

आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में घरेलू लेन-देन से सकल कर संग्रह 4.8 फीसदी बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात राजस्व 10.1 फीसदी बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये रहा। वहीं, इस दौरान तंबाकू उत्पादों से उपकर संग्रह जनवरी में 5,768 करोड़ रुपये रहा। जनवरी, 2025 में यह 13,009

करोड़ रुपये रहा था, जब कार तथा तंबाकू उत्पादों जैसे विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता था। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 22 सितंबर, 2025 से करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी थीं, जिससे सामान सस्ता हो गया। साथ ही, पहले की तरह विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर लगने वाले उपकर के बजाय अब केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर ही क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। जीएसटी दरों में कमी से राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है।

बजट विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाने वाला: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केन्द्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए कहा है कि यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। बजट के बाद रेल भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि बजट कर्तव्य-प्रधान है और युवाओं की ऊर्जा और महिलाओं की शक्ति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि यह बजट रेलवे, तकनीक, रचनात्मक उद्योग और एआई आधारित भविष्य को एक साथ आगे बढ़ाने वाला बजट है। यह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बजट में रेलवे के लिए दो लाख 78 हजार करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन दिया गया है। कुल पूंजीगत व्यय दो लाख 93 हजार करोड़ रुपये रखा गया है। उन्होंने कहा कि कुल बजट में से एक लाख 20 हजार करोड़

रुपये यात्री सुविधाओं और रेल सुरक्षा पर खर्च किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से रेल दुर्घटनाओं में 95 प्रतिशत तक कमी आई है और आगे ट्रैक, लोको, कोच और वैगन मेंटेनेंस, कवच प्रणाली, सीसीटीवी कैमरे, ओएचई उन्नयन और नए स्टेशनों के निर्माण से सुरक्षा और बेहतर होगी।

बजट में सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा को ऐतिहासिक बताते हुए मंत्री ने कहा कि मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश की कनेक्टिविटी को नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि लगभग चार हजार किलोमीटर लंबाई वाले इन कॉरिडोरों में 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली से वाराणसी की दूरी मात्र तीन घंटे 50 मिनट में और वाराणसी से सिलीगुड़ी की दूरी दो घंटे 55 मिनट में तय की जा सकेगी। दक्षिण भारत के लिए चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद को जोड़ने वाले साउथ हाई-स्पीड डायमंड को उन्होंने कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के लिए विकास का बड़ा उत्प्रेरक बताया। इससे आईटी, उद्योग और सेवा क्षेत्र को तेज गति मिलेगी।

आयकर विभाग की बाबा ग्रुप के ठिकानों पर चौथे दिन भी छापेमारी जारी, 10 करोड़ के जेवरात जब्त

एजेंसी

रांची। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा की चौथे दिन भी बाबा ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी जारी है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग ने बाबा ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों से 10 करोड़ रुपये के जेवरात जब्त किया है। जब्त की गयी नकद राशि भी बढ़ कर पांच करोड़ रुपये हो गई है। इसके अलावा बाबा ग्रुप की ओर से अपनी संपत्तियों की बतायी गयी कीमत और वास्तविक कीमत में अब तक 25 करोड़ रुपये का अंतर पाया गया है। बाबा ग्रुप की संपत्तियों के मूल्यांकन का काम अभी जारी है।

जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग ने छापेमारी के दौरान मिली नकद राशि के स्रोतों की जांच के बाद 4.50 करोड़ रुपये छापेमारी के तीसरे दिन जब्त किया था। छापामारी के चौथे दिन और 50 लाख रुपये जब्त किये गये। इससे जब्त नकदी बढ़ कर पांच करोड़ रुपये हो गयी है। छापेमारी के दौरान मिले जेवरात के

मूल्यांकन का काम समाप्त होने के बाद संबंधित पक्ष से पूछताछ, जांच पड़ताल करने के बाद 10 करोड़ रुपये के जेवरात जब्त कर लिये गये हैं। आयकर विभाग ने बाबा ग्रुप की 10 संपत्तियों के मूल्यांकन का काम शुरू कराया था, जो अब तक जारी है। अब तक के मूल्यांकन में आयकर विभाग को पता चला है कि बाबा ग्रुप द्वारा बुक्स ऑफ अकाउंट में अपनी संपत्ति की कीमत कम से कम दिखायी गयी है।सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच के दौरान बाबा ग्रुप की संपत्तियों की वास्तविक कीमत और बाबा ग्रुप की ओर से कागज में दिखायी गयी कीमत में पांच गुना का अंतर है। आयकर विभाग की ओर से बाबा ग्रुप की 10 संपत्तियों के मूल्यांकन का काम किया जा रहा है। अब तक के मूल्यांकन के दौरान बाबा ग्रुप की ओर से बतायी गयी संपत्तियों और उसकी वास्तविक क़ीमत में 25 करोड़ रुपये का अंतर पाया गया है। फॉरेंसिक अकाउंटिंग सिस्टम से पकड़ में आये खरीद बिक्री और लेनदेन के ब्योरे की जांच भी अभी जारी है।

उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने गत 29 जनवरी को बाबा एग्रो, बाबा फुड प्रोसेसिंग के अलावा चावल के आढ़तिया (कमीशन एजेंट) के कुल 45 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी। वर्ष 2026 में आयकर विभाग की और से की जाने वाली यह पहली छापेमारी है। यह कार्रवाई व्यापारियों की ओर से अपनी वास्तविक आमदनी छिपा कर टैक्स चोरी करने के मामले में की जा रही है।

उद्योग जगत ने केंद्रीय बजट 2026-27 को बताया भविष्यन्मुखी और विकासोन्मुख

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे भरोसा जगाने वाला और दीर्घकालिक विकास का स्पष्ट रोडमैप बताया है। बजट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अगली पीढ़ी के सुधारों, निरंतर आर्थिक वृद्धि और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं, बरनवाल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्री ने भी केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत किया है। बरनवाल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्री के फाउंडर और सीईओ शंभू बरनवाल ने कहा कि बजट में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बढ़ाने और मैन्युफैक्चरिंग पर विशेष फोकस से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह बजट युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक स्थिति सशक्त बनाने की दिशा में भी अहम कदम उठाता है। बजट में राजकोषीय अनुशासन और विकास के संतुलन पर जोर दिया गया है। वित्त वर्ष 2027 के लिए जीडीपी के 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य आर्थिक प्रबंधन में मजबूती को रेखांकित करता है। एमएसएमई सेक्टर के लिए एसएमई ग्रोथ फंड, बेहतर क्रेडिट व्यवस्था और ट्रेंड्स जैसे कदमों से उद्योगों को नई गति मिलने की उम्मीद है। रेलवे के लिए 2.81 लाख करोड़ के आवंटन और सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया गया है। डानकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर, नए जलमार्ग और बंदरगाह विकास से लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ने और पूर्वी भारत के औद्योगिक विकास को मजबूती मिलने की संभावना जताई गई है। मेडिकल टूरिज्म, क्रिटिकल मिनरल और रेयर अर्थ्स सेक्टर पर जोर को रोजगार और खनिज सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया गया है। ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में प्रस्तावित रेयर अर्थ्स कॉरिडोर से माइनिंग, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

आम बजटः विकसित भारत @2047 की दिशा में एक दूरदर्शी, समावेशी और निर्णायक दस्तावेजः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट को दूरदर्शी सोच, व्यावहारिक नीतियों और आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट समन्वय करार दिया है, जो भारत को विकसित भारत ञ्च2047 के लक्ष्य की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ाएगा। खंडेलवाल ने केंद्रीय बजट 2026-27 को एक प्रामाणिक और वास्तविक रूप से समावेशी दस्तावेज बताते हुए कहा कि बजट के विभिन्न प्रावधानों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वदेशी' आह्वान से सीधा जुड़ाव भारत के निर्यात को नई मजबूती देगा और भारतीय उत्पादों के लिए नए वैश्विक बाज़ार खोलने में सहायक सिद्ध होगा। कैट महामंत्री ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त, निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व का सशक्त प्रतिबिंब है, जिनके मार्गदर्शन में भारत वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। यह बजट अपने समावेशी दृष्टिकोण, ठोस कार्ययोजना और स्पष्ट दिशा के माध्यम से देश की आर्थिक नींव को और अधिक मजबूत करता है। खंडेलवाल ने कहा, 'यह बजट देश के व्यापारियों, उद्यमियों, निवेशकों और विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए आत्मविश्वास से भरा सकारात्मक संदेश देता है। आर्थिक विकास के साथ समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने की भावना इस बजट को विशिष्ट बनाती है।' एमएसएमई क्षेत्र पर विशेष बल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में आसान ऋण उपलब्धता, अनुपालन प्रक्रियाओं का सरलीकरण, डिजिटल सशक्तिकरण, तकनीकी उन्नयन तथा औपचारिकरण को प्रोत्साहन जैसे प्रावधान छोटे उद्योगों और व्यापारियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा, 'एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बजट में एमएसएमई के लिए की गई घोषणाएं रोज़गार सृजन, उद्यमिता को प्रोत्साहन और भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में निर्णायक साबित होंगी।' खंडेलवाल ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास, लॉजिस्टिक्स की दक्षता, विनिर्माण, निर्यात, डिजिटल अर्थव्यवस्था और उपभोग आधारित विकास पर निरंतर ध्यान देने से देश के व्यापार और वाणिज्य को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यह बजट आत्मनिर्भर, प्रतिस्पर्धी और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह देश की आर्थिक बुनियाद को और सुदृढ़ करते हुए विकसित भारत @2047 के विजन को साकार करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।'

केंद्रीय बजट 'विकसित भारत' की दिशा में एक मज़बूत कदम : देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कहा कि केंद्रीय बजट 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में एक मज़बूत और निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि बजट में प्लान्ड शहरीकरण, इंडस्ट्री और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने और इन्वेस्टमेंट और रोजग़ार पैदा करने के मज़बूत उपायों पर ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 12 लाख करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट तय किया गया है, जबकि खेती, पशुपालन, मछली पालन और सिंचाई के लिए बड़े इंतज़ाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'लखपति दीदी' स्कीम की सफलता के बाद, महिलाओं के लिए खास मॉल और बिजनेस के मौके बनाने का प्रस्ताव बहुत ज़रूरी है। उन्होंने हर जिले में हायर एजुकेशन कर रही लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाने की योजना का भी स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पतालों में इमरजेंसी मेडिकल सर्विस को मज़बूत करने का फ़ैसला हेल्थकेयर सेक्टर में एक बड़ा कदम साबित होगा। प्रस्तावित मुंबई-पुणे और पुणे-हैदराबाद हाई-स्पीड कॉरिडोर का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से जीडीपी ग्रोथ में काफ़ी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि हर ग्रोथ हब को अगले पाँच सालों में 5,000 करोड़ रुपये मिलेंगे, जिससे मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन और नागपुर मेट्रोपॉलिटन रीजन ग्रोथ हब को फ़ायदा होगा। केंद्रीय बजट में महिलाओं के लिए स्वतंत्र मॉल और उद्योग के अवसर बनाने की योजना बहुत अहम है। मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद हाई स्पीड कॉरिडोर से जीडीपी में काफी बढ़ोतरी होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने यह ऐतिहासिक बजट है, जो आत्मनिर्भर और विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। बजट देश के हर क्षेत्र और घटक को केंद्र में रखकर बनाया गया है। इसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करने और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोऱ्हे ने कहा कि केंद्र सरकार ने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 प्रतिशत से नीचे बनाए रखने के अपने वादे को पूरा करके अपने राजकोषीय अनुशासन को साबित किया है।

सरकार का वित्त वर्ष 2026-27 में सकल कर राजस्व में आठ प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में सकल कर राजस्व, आठ प्रतिशत की वृद्धि के साथ 44.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष 2026-27 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 11.73 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14.66 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 का संशोधित अनुमान 13.12 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2026-27 में कॉरपोरेट कर संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 12.31 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह 11.09 लाख करोड़ रुपये था। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह का अनुमान 73,700 करोड़ रुपये लगाया गया है, जो वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान (आरई) 63,670 करोड़ रुपये से अधिक है। व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) और कॉरपोरेट कर संग्रह (सीआईटी) सहित कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 26.97 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में प्रत्यक्ष कर के लिए कर उछाल 1.14 रहने का अनुमान है। श्रीवास्तव ने कहा कि अप्रत्यक्ष करों की बात करें तो सीमा शुल्क से 2.71 लाख करोड़ रुपये और उत्पाद शुल्क से 3.89 लाख करोड़ रुपये का संग्रह होने का अनुमान है, जबकि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह वित्त वर्ष 2026-27 में 2.59 प्रतिशत कम होकर 10.19 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

बजट में एसटीटी बढ़ने से शेयर बाजार क्रैश, बाजार की कमजोरी से निवेशकों के 9.90 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज बजट पेश होने के तुरंत बाद क्रैश होकर सात साल की सबसे बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज केंद्रीय बजट पेश होने के पहले तक बाजार में 0.50 प्रतिशत तक की तेजी आ चुकी थी। इसके बाद जैसे ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण शुरू किया, वैसे ही बाजार का मूड भी बदलने लगा। वित्त मंत्री द्वारा फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग में सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) बढ़ाने का प्रस्ताव रखने और सभी शेयर होल्डर्स के लिए बायबैक पर कैपिटल गैन के रूप में टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखते ही स्टॉक मार्केट बुरी तरह से धराशायी हो गया।

बजट प्रस्तावों में शेयर बाजार से जुड़े प्रावधानों को पेश करते ही बाजार में घबराहट का माहौल बन गया, जिससे बीएसई का सेंसेक्स कुछ ही देर में ऊपरी स्तर से 2,800 अंक से अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी ऊपरी स्तर से लगभग 870 अंक लुढ़क गया। इस बड़ी गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर लगाया, जिससे बाजार की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.88 प्रतिशत और निफ्टी 1.96 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस और कैपिटल मार्केट के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह मेटल, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी और टेक सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई जबरदस्त कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब दस लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 450.12 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.02 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 9.90 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,309 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,758 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,379 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 172 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,893 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 953 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,940 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 119.19 अंक की मजबूती के साथ 82,388.97 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 82,119.31 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया।

फ्रांस के सहयोग से नेपाल में नदी प्रवाह पूर्वानुमान और पूर्व चेतावनी सेवा शुरू

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में नदी स्तर पर जलविज्ञान (हाइड्रोलॉजिकल) पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी सेवा का संचालन शुरू हो गया है। फ्रांसीसी संस्था ब्लू वाटर इंटेलिजेंस (बीडब्ल्यूआई) ने नेपाल में नदी प्रवाह पूर्वानुमान सेवा की शुरुआत की है। 'हाइड्रो नेपाल' परियोजना के तहत शुरू की गई यह सेवा जलविद्युत परियोजनाओं की योजना और संचालन, आपदा पूर्व तैयारी तथा जलस्रोत प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लागू की गई है। यह परियोजना फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त, उद्योग एवं डिजिटल संप्रभुता मंत्रालय के सहयोग और वित्तीय समर्थन से संचालित की जा रही है। इसमें नेपाल विद्युत प्राधिकरण परियोजना का साझेदार और लाभग्राही है। काठमांडू में आयोजित कार्यक्रम में नेपाल के लिए फ्रांस की राजदूत वर्जिनी कोर्तेवाल, नेपाल विद्युत प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक हितेन्द्र देव शाक्य, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक आर्याल सहित जल, ऊर्जा और अनुसंधान क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया । परियोजना के अंतर्गत पृथ्वी अवलोकन, एआई और हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग करते हुए अपर कर्णाली, मर्स्याङ्दी, त्रिशूली और दूधकोशी नदी में नदी प्रवाह पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को लागू किया गया है।

ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े ट्रायम्फल आर्च के निर्माण का समर्थन किया

वॉशिंगटनः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन, डीसी में दुनिया के सबसे बड़े ट्रायम्फल आर्च (स्मारक द्वार) के निर्माण के प्रस्ताव का समर्थन किया है। ट्रंप ने एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि आर्च 'सबसे बड़ा' हो और उन्होंने अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बताया। उन्होंने कहा, '200 वर्षों के लिए वह एक आर्च बनाना चाहते थे,' और राजधानी के स्वरूप को बदलने के अपने दृष्टिकोण के बारे में बताया। उन्होंने प्रस्ताव को वैश्विक नज़रिए से देखते हुए कहा कि दुनिया भर के लगभग 57 शहरों में पहले से ही ट्रायम्फल आर्च हैं। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन, जिसे उन्होंने 'एकमात्र बड़ा शहर' कहा जहां यह नहीं है, अब यहा ट्रायम्फड आर्च बनाने में कोई अपवाद नहीं होना चाहिए।यह बात ट्रम्प की जनवरी में की गई घोषणा पर आधारित है, जब उन्होंने बताया था कि वाशिंगटन डीसी में ट्रायम्फल आर्च पर काम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। अमरीकी राष्ट्रपति ने अक्टूबर में एक भोज में दानदाताओं से कहा था कि यह स्मारक लिंकन मेमोरियल के पास बनाया जाएगा, जो अर्लिंग्टन मेमोरियल ब्रिज के साथ देश की राजधानी में एक औपचारिक प्रवेश को परिभाषित करेगा।द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक, भोज में उन्होंने प्रस्तावित ढांचे के मॉडल दिखाए और कई डिज़ाइन विकल्प बताए।

लॉर्ड मैंडेलसन ने एपस्टीन से संबंधों को लेकर सत्तारुढ़ पार्टी से इस्तीफा दिया

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अमेरिका में पूर्व राजदूत लॉर्ड पीटर मैंडेलसन ने दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने पिछले संबंधों के बारे में नए खुलासे के बाद सत्तारुढ़ लेबर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट के अनुसार मैंडेलसन कहा कि उन्होंने लेबर सरकार को और शर्मिंदगी से बचाने के लिए पार्टी छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने एपस्टीन के साथ अपने संबंधों की जानकारी देने वाले ईमेल सामने आने के बाद पिछले साल अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत के पद से इस्तीफा दे दिया था।मैंडेलसन ने पार्टी के महासचिव को लिखे एक पत्र में लिखा, 'इस सप्ताहांत जेफरी एपस्टीन को लेकर हो रहे हंगामे से मेरा नाम और जोड़ा गया है और मुझे इस पर अफसोस है।' पत्र के कुछ हिस्से मीडिया में भी छपे। रिपोर्ट्स में बताए गए दस्तावेजों के मुताबिक एपस्टीन ने 2003 में 25,000 डॉलर के तीन अलग-अलग लेन देन के ज़रिए लॉर्ड मैंडेलसन को कुल 75,000 डॉलर का भुगतान किया था। लेबर पार्टी के सूत्रों ने कहा कि इस कदम का मकसद विवाद से होने वाले राजनीतिक असर को रोकना था।

तुर्किए ने पाकिस्तान को दिया तगड़ा झटका; 'इस्लामिक नाटो' का सपना टूटा, रक्षा समझौते से किया साफ इनकार

इस्लामाबाद। तुर्किए ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ किसी भी रक्षा समझौते में शामिल होने की संभावना को खारिज कर दिया है। अंकारा ने इसके पीछे पाकिस्तानी सेना की कमजोरियां और आर्थिक दबाव गिनाए हैं। 'इस्लामिक नाटो' बनाने का सपना देख रहे पाकिस्तान को उसके करीबी दोस्त तुर्किए से बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। तुर्किए के रक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि अंकारा न तो सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ किसी रक्षा समझौते का हिस्सा है और न ही भविष्य में ऐसे किसी बहुपक्षीय समझौते पर विचार कर रहा है। हालांकि पाकिस्तान ने इसके लिए काफी आग्रह किया था लेकिन तुर्किए ने साफ किया कि इन देशों के साथ उसके संबंध वर्तमान में केवल रणनीतिक और द्विपक्षीय सहयोग तक ही सीमित रहेंगे। तुर्किए के रक्षा सूत्रों ने पाकिस्तान के साथ रक्षा संधि न करने के पीछे पाकिस्तानी सेना की वर्तमान स्थिति को मुख्य कारण बताया है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना वर्तमान में 'बिखरी हुई' है ।

बलूचिस्तान में दो दिन की झड़पों में पाकिस्तानी सेना ने 140 से ज्यादा लोगों को मार डाला

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने करीब 40 घंटे तक चले एक सैन्य अभियान में 145 लोगों को मार गिराया। स्थानीय मीडिया ने प्रांतीय मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के हवाले से बताया कि यह कार्रवाई बलूचिस्तान में 'तालमेल वाले' बंदूक और बम हमलों की एक सीरीज के जवाब में की गई। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मुताबिक, इस अभियान में 92 उग्रवादियों को मार गिराया गया। वहीं, 15 आम नागरिकों की भी मौत हो गई। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने यह खबर प्रकाशित की। मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने बताया कि इन हमलों में पुलिस और फ्रंटियर कोर समेत अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के 17 जवान मारे गए। इसके

अलावा, नौसेना के एक अधिकारी की भी जान गई। कुल मिलाकर 31 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में हाल के वर्षों में हिंसा की यह सबसे खतरनाक लहर मानी जा रही है। यह इलाका प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और इसकी सीमाएं ईरान और अफगानिस्तान से लगती हैं। यहां सक्रिय विद्रोही गुटों ने सुरक्षा बलों, आम लोगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हमले तेज कर दिए हैं।

पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि हमलावर आम नागरिकों के वेश में अस्पतालों, स्कूलों, बैंकों और बाजारों में घुसे और फिर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि दुकानों में काम कर रहे सामान्य लोगों को निशाना बनाया गया और हमलों के दौरान नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल किया गया। चौधरी ने कहा, 'हर मामले में, हमलावर नागरिकों के रूप में आए और दुकानों में काम करने वाले आम लोगों को अंधाधुंध निशाना बनाया। ' इन हमलों की जिम्मेदारी अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। संगठन ने दावा किया कि उसने 'हीरोफ' या 'काला तूफान' नाम से एक संगठित अभियान चलाया, जिसमें पूरे बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों को निशाना बनाया गया।

राफा बॉर्डर क्रॉसिंग फिर खुलेगी, इलाज के लिए गाजावासियों को मिलेगी राहत

एजेंसी

यरूशलेम/काहिरा। इजराइल ने घोषणा की है कि गाजा पट्टी का प्रमुख राफा सीमा पार मार्ग सोमवार से सीमित रूप में दोबारा खोला जाएगा। यह वही क्रॉसिंग है जो मिस्र से गाजा को जोड़ती है और युद्ध से पहले लोगों की आवाजाही तथा मानवीय सहायता का मुख्य रास्ता मानी जाती थी। पिछले लगभग दो वर्षों से यह मार्ग बड़े पैमाने पर बंद रहा है और गाजा की ओर का हिस्सा इजराइली सैन्य नियंत्रण में है।

इजराइली सैन्य इकाई सीओजीएटी के अनुसार, फिलहाल पैदल आने-जाने की अनुमति दी जाएगी और संचालन मिस्र तथा यूरोपीय संघ के समन्वय से होगा। शुरुआत से पहले एक पायलट परीक्षण चलाया गया है ताकि सुरक्षा और प्रबंधन की व्यवस्था परखी जा सके। इजराइल ने स्पष्ट किया है कि कड़ी सुरक्षा जांच के बाद ही लोगों को पार जाने दिया जाएगा। प्राथमिकता उन बीमार और घायल फिलिस्तीनियों को दी जाएगी जिन्हें विदेश में इलाज की जरूरत है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, हजारों मरीज गाजा से बाहर चिकित्सा सहायता पाने की प्रतीक्षा में हैं। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि प्रतिदिन सीमित संख्या में लोगों को ही अनुमति मिलेगी। शुरुआती दिनों में अधिकतर मरीज और उनके परिजन गाजा से बाहर जाएंगे, जबकि वापसी करने वालों की संख्या कम रहेगी। मिस्र की ओर से भी चिकित्सा उपचार के लिए मरीजों को स्वीकार करने की तैयारी की बात कही गई है।

बीएलए मजीद ब्रिगेड के वरिष्ठ फिदाई फजल बलोच का लोगों से लड़ाई में शामिल होने का आह्वान

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान की आजादी की लड़ाई में शामिल बलोच लिबरेशन आर्मी ने अपने आधिकारिक चैनल पर फजल बलोच का एक वीडियो संदेश जारी किया है। यह वीडियो संदेश बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ऑपरेशन हीरो के दूसरे चरण की शुरुआत पर आया है। फजल बीएलए मजीद ब्रिगेड के वरिष्ठ फिदाई (आत्मघाती) हैं। उन्होंने बलोचिस्तान के लोगों से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो में फजल बलूच को एक वाहन में बैठे देखा जा सकता है। यह वही वाहन है, जिसके माध्यम से उन्होंने ग्वादर के तहसील पसनी में एक लक्ष्य को निशाना बनाकर ऑपरेशन हीरो को अंजाम दिया था। वीडियो संदेश में उन्होंने बलोचों को बधाई दी और कहा कि सबसे पहले मजीद ब्रिगेड जिंदाबाद। माशा अल्लाह, हमारे युवा बुद्धिमान हैं। मैं बड़ों को एक संदेश देना चाहता हूं।

उन्होंने वीडियो संदेश में कहा

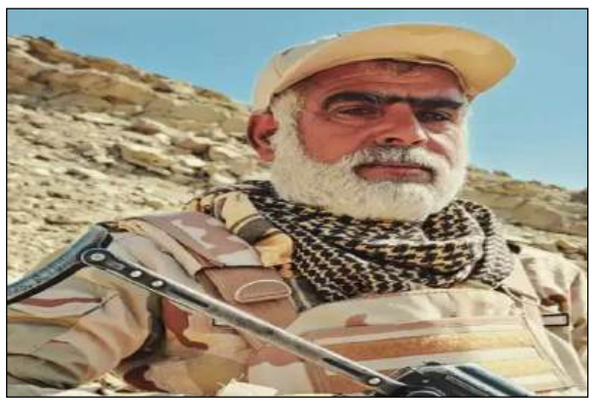

कि अब घर पर बैठने का समय नहीं है। अपने बच्चों और भाइयों के साथ आओ और इस लड़ाई में शामिल हो जाओ। गौरतलब है कि ऑपरेशन हीरो के तहत बलोच लिबरेशन आर्मी के पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के खिलाफ हमलों का सिलसिला जारी है। संगठन के हालिया बयान में कहा गया है कि उनके कमांडर क्वेटा और अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। दावा किया गया है कि झड़पों में पाकिस्तान की सेना, पुलिस और अन्य संस्थानों के 150 से अधिक जवान मारे गए हैं।

कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में 36 भारतीय सहित 2,000 से अधिक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नोम पेन्ह। कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के दौरान कुल 2,044 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 36 भारतीय भी शामिल हैं। यह जानकारी कंबोडियाई गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने दी।

दक्षिणपूर्वी स्वे रींग प्रांत के बावेत शहर में 22 इमारतों वाले एक कैसिनो पर छापेमारी के दौरान आठ अलग-अलग देशों के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। कम्पूचिया न्यूज के अनुसार, गिरफ्तार हुए कुल 2,044 विदेशी नागरिकों में 1,792 चीनी, 177 वियतनामी, 179 म्यांमारी, 30 नेपाली, पांच ताइवानी, एक मलेशियाई, दो लाओसी, 36 भारतीय और एक मैक्सिकन नागरिक हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखाक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'यह वास्तव में दर्शाता है कि कंबोडियाई सरकार ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल अपराधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई में कभी ढील नहीं देगी। 'उन्होंने कहा कि कंबोडिया अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं बल्कि नरक है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देश ने सुरक्षा, राष्ट्रीय पुलिस के आयुक्त जनरल सार थेट के नेतृत्व में और उप आयुक्त चिव फाली और मेउंग सोथिया के समन्वय से की गई थी

सार्वजनिक व्यवस्था एवं सामाजिक सुरक्षा को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने के उद्देश्य से साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क के खिलाफ अभूतपूर्व राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने वाली तदर्थ समिति की पिछले सप्ताह की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात महीनों में देश में 23 देशों के कुल 5,106 ऑनलाइन धोखाधड़ी के संदिग्धों को गिरफ्तार किया जिनमें से 4,534 को उनके देशों में निर्वासित किया गया। यह छापेमारी जिसमें 700 पुलिसकर्मी शामिल थे। पिछले वर्ष सितंबर तक कंबोडियाई अधिकारियों ने 48 ऑनलाइन धोखाधड़ी गिरोहों का भंडाफोड़ किया और 168 लोगों को हिरासत में लिया जिन्हें अदालत में पेश किया गया। इसके अलावा लगभग 3,000 लोगों को उनके गृह देशों में वापस भेज दिया गया। इस वर्ष कथित ऑनलाइन धोखाधड़ी के सरगना चेन झी की गिरफ्तारी और चीन में प्रत्यर्पण के बाद संदिग्ध ऑनलाइन धोखाधड़ी मामलों में लगातार छापेमारी की जा रही है।

ईरान ने हाल के विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लगभग 3,000 लोगों की सूची जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली । ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के कार्यालय ने देश में हाल ही में हुई अशांति के दौरान मारे गए लोगों की एक सूची जारी की है। इस सूची में 2,986 लोगों के नाम शामिल हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर जारी बयान में बताया गया कि यह सूची राष्ट्रपति के निर्देश पर ईरान के कानूनी चिकित्सा संगठन से मिले आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है। इसमें आम नागरिकों के साथ-साथ सुरक्षा बलों के जवानों के नाम भी शामिल हैं। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, अब तक कुल 3,117 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 131 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी पहचान होने के बाद एक अतिरिक्त सूची जारी की जाएगी।बयान में कहा गया है कि सरकार पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें

यह भी कहा गया कि मरने वाले सभी लोग ईरान के अपने बच्चे थे और किसी भी पीड़ित परिवार की बात अनसुनी नहीं की जाएगी। बता दें कि दिसंबर के अंत से जनवरी तक ईरान में कई हफ्तों तक विरोध प्रदर्शन हुए। ये प्रदर्शन देश की मुद्रा रियाल के तेजी से कमजोर होने के विरोध में शुरू हुए थे। शुरुआत में ये प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, लेकिन बाद में झड़पों में बदल गए। इस दौरान जानमाल का नुकसान हुआ और मस्जिदों, सरकारी इमारतों और बैंकों को भी नुकसान पहुंचा। ईरान ने इन घटनाओं के लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। इस बीच, ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातामी ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी कि अगर अमेरिका कोई भी गलती करता है, तो इससे उसकी अपनी सुरक्षा, इजरायल की सुरक्षा और पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। तेहरान में एक समारोह के दौरान बोलते हुए हातामी ने कहा, 'आज, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सशस्त्र बल पूरी तरह से रक्षा और सैन्य तत्परता में हैं और क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हमारी उंगली ट्रिगर पर है। अगर दुश्मन कोई गलती करता है, तो यह निस्संदेह अपनी सुरक्षा और इजरायल और क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल देगा।' उन्होंने पड़ोसी देशों की उन घोषणाओं का भी स्वागत किया कि वे अपने क्षेत्र या हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ नहीं होने देंगे, क्योंकि ये देश 'जानते हैं।

बलूचिस्तान में मानवाधिकार संकट गहराया, महिलाओं को निशाना बनाए जाने के दावे

एजेंसी

क्वेटा। बलूचिस्तान में कथित जबरन गुमशुदगियों को लेकर एक बार फिर चिंता गहरा गई है। बलूच यकजहती कमेटी (बीवाईसी) से जुड़ी सामाजिक कार्यकर्ता महरंग बलूच ने दावा किया है कि हाल के मामलों से संकेत मिलता है कि यह प्रवृत्ति अब महिलाओं और लड़कियों तक भी फैल रही है, जिसे उन्होंने राज्य हिंसा में 'खतरनाक बढ़ोतरी' करार दिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने कहा कि लंबे समय से बलूच समुदाय को संदेह की नजर से देखा जाता रहा है और समस्याओं के समाधान के बजाय दबाव व बल प्रयोग का रास्ता अपनाया गया। महरंग बलूच के मुताबिक, पहले ऐसे मामले अधिकतर पुरुषों तक सीमित बताए जाते थे, लेकिन अब छात्राओं, नाबालिग लड़कियों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के प्रभावित होने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। उनका कहना है कि इनमें से कई का किसी राजनीतिक गतिविधि से संबंध नहीं बताया जाता।

उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएं अपने परिजनों की तलाश में आवाज उठाती हैं और विरोध प्रदर्शन करती हैं, तो उन्हें निशाना बनाए जाने के आरोप लगते हैं। उनके अनुसार, डर का माहौल बनाकर समाज को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है, हालांकि इससे लोगों में जागरूकता और एकजुटता भी बढ़ रही है। इसी बीच, कुछ मानवाधिकार संगठनों ने हालिया हफ्तों में कई नागरिकों के कथित तौर पर जबरन गायब किए जाने के आरोप लगाए हैं। 'पांक' नामक एक अधिकार समूह ने विभिन्न जिलों से कई व्यक्तियों के उठाए जाने के दावे किए और सुरक्षा बलों पर आरोप लगाए हैं। इन संगठनों ने स्वतंत्र जांच और प्रभावित लोगों की रिहाई की मांग की है।

भारत के केंद्रीय बजट का नेपाल पर पड़ेगा प्रभाव

एजेंसी

काठमांडू। भारत का केंद्रीय बजट पेश हो चुका है। नेपाल और भारत के बीच गहरे आर्थिक और भौगोलिक संबंधों के कारण भारत के आम बजट के कई प्रावधानों का नेपाल पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ता है। इनमें से कुछ प्रावधान भारत के साथ-साथ नेपाल के लिए भी लाभकारी हो सकते हैं।

भारत सरकार ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में व्यापक निवेश की घोषणा की है। भारत ने नेपाल की पूर्वी सीमा से जुड़े सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड रेल बनाने की घोषणा की है। बजट में घोषित सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी शामिल है। इस रेल नेटवर्क के विस्तार से नेपाल और भारत के बीच पारवहन और ढुलाई और अधिक तेज़ व प्रभावी हो सकती है। इसी तरह, 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों और अतिरिक्त डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण की भी घोषणा की गई है। इससे नेपाल के आयात-निर्यात की लागत घटने में मदद मिलने की संभावना है।

भारत के बजट में कूरियर के माध्यम से होने वाले निर्यात पर लागू 10 लाख रुपये की सीमा को पूरी तरह हटा दिया गया है। इससे भारत के छोटे उद्यमियों और स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच आसान होगी, जिसका लाभ नेपाल-भारत सीमा पार ई-कॉमर्स कारोबार को भी मिल सकता है। इसके अलावा, कस्टम्स इंटीग्रेटेड सिस्टम और डिजिटल विंडो की शुरुआत से सीमा शुल्क प्रक्रियाएं तेज होंगी, जिससे नेपाल आने-जाने वाले सामानों की क्लीयरेंस में होने वाली देरी कम हो सकती है।भारत ने सौर ऊर्जा और बैटरी उत्पादन के लिए आवश्यक लिथियम-आयन बैटरियों पर सीमा शुल्क में छूट और अन्य प्रोत्साहन योजनाएं लागू की हैं। भारत में सौर और बैटरी तकनीक सस्ती होने पर इसका सकारात्मक असर नेपाल पर भी पड़ सकता है। नेपाल में भी बैटरी स्टोरेज सोलर परियोजनाओं पर चर्चा हो रही है, ऐसे में भारत की नीतियों से नेपाल को लाभ मिल सकता है। दूसरी ओर, भारत ने परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने की घोषणा भी की है, जिससे दक्षिण एशिया के समग्र ऊर्जा बाजार के स्वरूप में बदलाव आ सकता है। भारत में बिजली की दरें घटने की स्थिति में नेपाल के लिए यह प्रतिकूल हो सकता है, क्योंकि नेपाल की जलविद्युत का दीर्घकालीन बाजार भारत ही है। भारत और नेपाल के बीच कृषि उत्पादों के व्यापार में शुल्क-मुक्त सुविधा है। भारत के 2026-27 के बजट में कृषि क्षेत्र की उत्पादन लागत घटाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई तकनीक और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित कई योजनाएं लाई गई हैं। भारत में उत्पादन लागत घटने से वहां के सस्ते कृषि उत्पाद आसानी से नेपाली बाजार में प्रवेश कर सकते हैं। भारत सरकार ने 'भारत-विस्तार' नामक बहुभाषी एआई टूल भी लॉन्च किया है, जो किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता, मौसम और खेती की सर्वोत्तम पद्धतियों पर अनुकूलित सलाह देगा। इससे उर्वरक और बीज की बर्बादी कम होगी और उत्पादन बढ़ेगा, जिससे भारतीय कृषि उत्पादों की लागत और घट सकती है। नेपाल और भारत की खुली सीमा और समान भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में खेती के तौर-तरीके भी समान हैं।

इजराइल ने हिजबुल्लाह आतंकी अली दाऊद अमिच को मार गिराया

एजेंसी

तेल अवीव (इजराइल)। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने दुर्दांत आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के आतंकवादी अली दाऊद अमिच को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ ने एक्स पर सूचना करते हुए कहा कि अमिच उसके हमले में मारा गया। आईडीएफ की एक्स पोस्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट का डिवीजन हेड अली दाऊद अमिच दक्षिणी लेबनान के अल-द्वेयर इलाके में समूह के आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में लगा हुआ था। वह आईडीएफ के जवानों के खिलाफ आतंकी हमलों में भी शामिल था। वह इजराइल और लेबनान के बीच हुई समझौते का उल्लंघन भी कर रहा था। आईडीएफ के अनुसार, हमलाकर अमिच को मौत के घाट उतार दिया

गया। उल्लेखनीय है कि हिजबुल्लाह लेबनान स्थित शिया मुस्लिम राजनीतिक दल और शक्तिशाली सशस्त्र संगठन है। इसकी स्थापना 1980 के दशक में लेबनानी गृहयुद्ध के दौरान हुई थी। इसे ईरान से भारी वित्तीय सहायता, आधुनिक हथियार और प्रशिक्षण मिलता है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और खाड़ी सहयोग परिषद सहित कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया है। अनुमान है कि इसके पास वर्तमान में 25,000 रॉकेट और मिसाइलों का भंडार है। समूह में लगभग 40,000 से 50,000 सक्रिय लड़ाके और इतनी ही संख्या में रिजर्व बल है।

नेपाल सरकार ने अपने नागरिकों के लिए ईरान यात्रा पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

काठमांडू। ईरान में जारी हालात को देखते हुए नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों को ईरान की यात्रा से जुड़े किसी भी प्रकार की योजना पर फिलहाल प्रतिबंध लगा दिया है। यात्रा परामर्श (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी करते हुए विदेश मंत्रालय ने ईरान में रह रहे या काम कर रहे नेपाली नागरिकों से किसी भी उपलब्ध माध्यम का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र देश छोड़ने की कड़ी सलाह दी है।

मंत्रालय ने ईरान में मौजूद नेपाली नागरिकों से यह भी अनुरोध किया है कि वे पासपोर्ट और पहचान पत्र सहित अपने सभी यात्रा दस्तावेज हमेशा तैयार रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन रूप से देश से बाहर निकलना आसान हो सके। इसके अलावा, मंत्रालय ने ईरान में रह रहे नेपाली नागरिकों से काठमांडू स्थित विदेश मंत्रालय तथा दोहा स्थित नेपाली दूतावास–जो ईरान से संबंधित वाणिज्य दूतावासीय कार्य देखता है–के साथ निरंतर संपर्क में रहने का आग्रह किया है। नेपाल सरकार ने यहां से ईरान की यात्रा पर जाने वाले नेपाली नागरिकों को अपनी यात्रा को तत्काल स्थगित करने का निर्देश दिया है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि अगले आदेश तक नेपाली नागरिक किसी भी कारणवश ईरान की यात्रा नहीं कर सकते हैं।

अमेरिकी एनजीओ ने दिव्यांगजनों के लिए भारत के आम बजट में बढ़ोतरी का स्वागत किया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में दिव्यांग अधिकारों के लिए काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था ने भारत के केंद्रीय बजट 2026 का स्वागत किया है। संस्था का कहना है कि कौशल, रोजगार और सहायक सुविधाओं से जुड़ी नई योजनाएं दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम हैं। दिव्यांग लोगों की आवाज उठाने वाली संस्था द वॉयस ऑफ स्पेशली एबल्ड पीपल (वीओएसएपी) ने कहा कि बजट में ऐसे कार्यक्रम शामिल किए गए हैं, जिनसे दिव्यांगजनों को देश की आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी। संस्था के संस्थापक प्रणव देसाई ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि दिव्यांगजनों के लिए उनकी दीर्घकालिक योजना 'विजन 2047' को बजट से नई मजबूती मिली है। इसके तहत दिव्यांग लोगों की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए दो नई पहल शुरू की गई हैं।

वीओएसएपी के विजन 2047 का लक्ष्य यह है कि दिव्यांगजन भारत के लंबे समय के विकास में पूरी तरह शामिल हों। इसमें सम्मान के साथ जीवन, अवसरों की समानता और समाज में सक्रिय भागीदारी पर खास

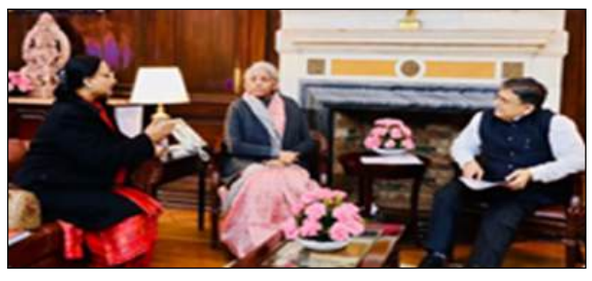

जोर दिया गया है। ग्रुप ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में दिव्यांगजन कौशल योजना और दिव्यांग सहारा योजना की घोषणा की है। इन योजनाओं का उद्देश्य दिव्यांगजनों को कौशल प्रशिक्षण देना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और सहायक तकनीक उपलब्ध कराना है। संस्था ने कहा, 'केंद्रीय बजट 2026 में विशेष रूप से सक्षम लोगों द्वारा आर्थिक योगदान के लिए दो नए कार्यक्रम शुरू होने से दिव्यांगजनों के लिए विजन 2047 को एक बड़ा बढ़ावा मिला है।' ये दोनों योजनाएं दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। दिव्यांगजन कौशल योजना के तहत उनकी जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी, जिससे नौकरी पाने की संभावना बढ़ेगी। संगठन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इसके लिए बधाई दी और कहा, 'ये कदम विजन 2047 और विकसित भारत के लिए एक समावेशी इकोसिस्टम बनाने में मदद करेंगे, जहां गरिमा, पहुंच और अवसर प्रगति को परिभाषित करते हैं। ' दिव्यांग सहारा योजना के जरिए सहायक उपकरण और तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि दिव्यांगजन अधिक स्वतंत्रता के साथ जीवन और काम कर सकें।

संस्था के अनुसार, ये योजनाएं सुलभ भारत अभियान के उद्देश्य से भी जुड़ी हैं। इनका मकसद कौशल, रोजगार और तकनीक से जुड़ी उन बाधाओं को कम करना है, जो अक्सर दिव्यांगजनों के सामने आती हैं। हालांकि, संस्था ने यह भी कहा कि योजनाओं को जमीन पर सही तरीके से लागू करना बहुत जरूरी होगा, तभी इसका वास्तविक लाभ दिव्यांगजनों तक पहुंच पाएगा।

भारत में लाखों दिव्यांग लोग रहते हैं, जिन्हें शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक सुविधाओं तक पहुंच में आज भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

page 1 and 8 Feb 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/3/2026 12:24 AM Page 2

खबर संक्षेप

ब्रिगेडियर उस्मान मेमोरियल झंगर में फहराया गया 60 फीट ऊँचा तिरंगा

जम्मू, 02 फ़रवरी (हि.स.)। ब्रिगेडियर उस्मान मेमोरियल, झंगर में आज एक गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक पल देखने को मिला जब 60 फीट ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ के उद्घाटन अवसर पर पूरे सम्मान और देशभक्ति के साथ फहराया गया। इस कार्यक्रम में 80 इन्फैंट्री ब्रिगेड के कमांडर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सीमावर्ती क्षेत्र में आयोजित इस समारोह ने राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत किया।

इस अवसर पर हाई स्कूल सेहर, मिडिल स्कूल सरिया, झंगर, माकरी, प्राइमरी स्कूल नाम्ब और क्राहली के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही सरिया, झंगर, माकरी और सैर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के तहत छात्रों में रचनात्मकता और देशप्रेम को बढ़ावा देने के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 14 असम रेजीमेंट ने स्कूलों को बैडमिंटन खेल सामग्री भेंट की और प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

टैगोर हॉल श्रीनगर में गुमनाम मेहनत, खामोश दर्द डॉक्यूमेंट्री रिलीज

जम्मू, 02 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर एम्प्लॉइज जॉइंट एक्शन कमेटी की ओर से दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के संघर्ष, योगदान और अनसुनी पीड़ा को उजागर करने के उद्देश्य से एक विशेष डॉक्यूमेंट्री गुमनाम मेहनत, खामोश दर्द का विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीनगर के टैगोर हॉल में आयोजित हुआ।

यह डॉक्यूमेंट्री यमरज़ल यूथ क्लब के सहयोग से तैयार की गई है, जिसका मकसद समाज में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की मूक कठिनाइयों और वर्षों की निष्ठावान सेवा की ओर सार्वजनिक ध्यान आकर्षित करना है। कार्यक्रम के दौरान डॉक्यूमेंट्री की आधिकारिक स्क्रीनिंग की गई।

स्क्रीनिंग के बाद जॉइंट एक्शन कमेटी के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि डेली वेज वर्कर्स की समस्याओं, असुरक्षित भविष्य और अधिकारों को गंभीरता से समझने की जरूरत है। वक्ताओं ने सरकार से मांग की कि इन कर्मचारियों के मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला जाए।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उपायुक्त कार्यालय बाहर किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

पुंछ, 02 फ़रवरी (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उपायुक्त (डीसी) कार्यालय पूंछ के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम में बदलाव के फैसले सहित आम जनता से जुड़े अन्य मुद्दों पर कड़ा विरोध जताया गया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहनवाज चौधरी ने किया जबकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता फियाज़ दीवान भी प्रदर्शन में प्रमुख रूप से मौजूद रहे। प्रदर्शन में लगभग 100 कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहनवाज चौधरी ने मनरेगा का नाम बदलने के फैसले का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब परिवारों के लिए जीवनरेखा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी जनकल्याणकारी योजनाओं को कमजोर करने या उनके नाम बदलने के किसी भी प्रयास का डटकर विरोध करती रहेगी। प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट बिजली मीटरों की स्थापना पर भी गंभीर चिंता जताई और आरोप लगाया कि इनके कारण बिजली बिलों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। उन्होंने गरीब, मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बिजली बिलों में रियायत और राहत की मांग की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता फियाज दीवान ने कहा कि बढ़ती बिजली दरों ने आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि प्रदर्शनकारियों की मांगों को केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी आने वाले दिनों में अपने आंदोलन को और तेज करेगी।

पुलिस ने आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री पर कार्रवाई की, जनता से अफवाहों से बचने का किया आग्रह

अनंतनाग, 2 फरवरी(हि.स.)। जिला पुलिस अनंतनाग ने सोमवार को स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक और उत्तेजक सामग्री के संबंध में कानूनी कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी गई है जिसने सार्वजनिक चिंता और अटकलों को जन्म दिया है।

एक आधिकारिक बयान में जिला पुलिस अनंतनाग ने कहा कि सोशल मीडिया पर पैगंबर मुहम्मद (पीबीयूएच) के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एफआईआर संख्या 14/2026 पुलिस स्टेशन मट्टन में दर्ज की गई है और मामले की सक्रिय जांच की जा रही है।

पुलिस ने आगे कहा कि कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है जिन्होंने कथित तौर पर उत्तेजक सामग्री को साझा और टिप्पणी करके अशांति भड़काने और सार्वजनिक शांति को बिगाड़ने का प्रयास किया था। ऐसे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई चल रही है आम जनता को संयम बरतने की सलाह देते हुए जिला पुलिस अनंतनाग ने लोगों से अटकलों में शामिल न होने और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर असत्यापित या भड़काऊ सामग्री साझा करने से परहेज करने का आग्रह किया। चेतावनी दी कि ऐसी सामग्री के प्रसार से सख्त कानूनी परिणाम हो सकते हैं। पुलिस ने कहा कि वे स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और आश्वासन दिया कि शांति और सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का आदेश जारी

जम्मू, 2 फरवरी (हि.स.)। स्कूल शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर ने सोमवार को प्रशासन के हित में वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का आदेश दिया।

एसईडी-जेके द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, डीआईईटी बसोली कठुआ के प्रभारी प्राचार्य भूषण कुमार पाठक को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर मुख्य शिक्षा अधिकारी, डोडा के पद पर तैनात किया गया है। इस बीच, प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा, जो जेकेबीओएसई में तैनाती के आदेश के तहत थे को प्रिंसिपल, डाइट बशोली, कठुआ के पद पर तैनात किया गया है।

जत्रोफा लगभग 175 प्रजाति की वनस्पतियों का समूह

सी एम शर्मा

जत्रोफा लगभग 175 प्रजाति की वनस्पतियों का समूह है जिसमें झाड़ियां और पौधे सम्मिलित हैं। इसके पौधे भारत, अफ्रिका, उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन् जैसे ट्रापिकल क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं। यह एक बड़ा पादप है जो झाड़ियों के रूप में अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में उगता है।

इस पादप से प्राप्त होने वाले बीजों में 25-30 प्रतिशत तक तेल निकाला जा सकता है। इस तेल से कार आदि चलाये जा सकते हैं तथा जो अवशेष बचता है उससे बिजली पैदा की जा सकती है। जत्रोफा अनावृष्टि-रोधी सदाबहार झाडी है। यह कठिन परिस्थितियओं को भी झेलने में सक्षम है।

एक समय था जब जम्मू, साम्बा, कठुआ और उधमपुर में भी जट्रोफा के पौधे लगाने की होड़ शुरू की गई थी परन्तु हमारी सरकारों की विशेषता है की कार्य जल्दबाज़ी में शुरू हो कर बीच रास्ते में ही बंद कर दिए जाते हैं। जट्रोफा के साथ भी ऐसा ही हुआ। जट्रोफा से बायो-डीज़ल प्राप्त करने की बातें भी बहुत बड़े पैमाने पर चलीं लेकिन यूँ लगता है कि किसी भावावेश अथवा दबाव में इन्हें ठप्प कर दिया गया। इस पर गौर करने की ज़रुरत है। इस बात की गंभीरता यहां से ज़ाहिर होती है कि भारत में इसे व्यापक तौर पर बढ़ावा देने के सभी फीचर्स मौजूद हैं फिर यह थम क्यों गया। यदि कोस्टा-रीका जैसे देशों में यह सफल रहा तो भारत में क्यों नहीं।

खैर, जट्रोफा के बारे में कुछ जानकारी आपके लिए यहां-वहां से इकट्ठा की गई हैं जो आपके साथ साझा कर रहे हैं।

जम्मू में मुठी के स्थान पर रणबीर नहर के किनारे बाईं ओर लगाए गए जट्रोफा के 15 वर्ष आयु के पौधे। सर्दियों के बाद दुबारा हरे भरे होने को तैयार।

इसके बीज सस्ते हैं

बीजों में तेल की मात्रा बहुत अधिक है (लगभग 37%)

इससे प्राप्त तेल का ज्वलन ताप (फ्लैश प्वाइंट) अधिक होने के कारण यह बहुत सुरक्षित भी है।

1.05 किग्रा जत्रोफा तेल से 1 किग्रा बायोडिजल पैदा होता है।

जत्रोफा का तेल बिना रिफाइन किये हुए भी इंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

जत्रोफा का तेल जलाने पर धुआंरहित स्वच्छ लौ पैदा करता है।

थोडे ही दिनों लगभग दो वर्ष में इसके पौधे से फल प्राप्त होने लगते हैं

उपजाऊ भूमि और खराब उसर भूमि भूमि, दोनो पर इसकी उपज ली जा सकती है

कम वर्षा के क्षेत्रों 200 मिमी और अधिक वर्षा के क्षेत्रों, दोनों में यह जीवित रहता और फलता-फूलता है

वहां भी इसकी पैदावार ली जा सकती है जहां दूसरी फसलें नही ली जा सकतीं।

इसे नहरों के किनारे, सडकों के किनारे या रेलवे लाइन के किनारे भी लगा सकते हैं।

यह कठिन परिस्थितियों को भी सह लेता है।

इसकी खेती के लिये किसी प्रकार की विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती।

इसके पौधे की उंचाई भी फल और बीज इकट्ठा करने की दृष्टि से बहुत उपयुक्त है - जमीन पर खडे होकर ही फल तोडे जा सकते हैं।

फल वर्षा ऋतु आरम्भ होने के पहले ही पक जाते हैं, इसलिये भी फल इकट्ठा करना आसान काम है।

इसके पौधा लगभग 50 वर्ष तक फल पैदा करता है। बार-बार फसल लगाने की आवश्यकता नहीं होती।

इसको लगाना आसान है, यह तेजी से बढता है और इसको देखरेख की बहुत कम जरूरत होती है।

इसको जानवर नही खाते और कीट नही लगते। इस कारण इसकी विशेष देखभाल नहीं करनी पडती।

किसी भी पसल का प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि यह उन फसलों की पैदावार बढाने में मदद करता है।

जत्रोफा के करीब 1600 उपयोग गिनाये गये हैं।

इसके पौधे भू-क्षरण रोकने के लिये भी काम आते हैं

जत्रोफा की जडें जमीन से फास्फोरस सोखने का कार्य करती हैं - इसका यह गुण अम्लीय भूमि के लिये वरदान है

अपने पूरे जीवन के दौरान जमीन पर पत्तियां गिराता है जो भूमि की उर्वरा-शक्ति को बढाती हैं

इसके बीजों से तेल निकालने के बाद जो खली बचती है वह उच्च कोटि की जैविक खाद है (नाइट्रोजन से भरपूर)। इसे जानवरों को भी खिलाया जा सकता है क्योकि यह प्रोटीन से भरपूर होती है।

जानवर और कीडे इससे प्राकृतिक रूप से ही दूर भागते हैं। इसलिये इसका उपयोग बागों और खेतों की रक्षा के लिये चारदीवारी के रूप में भी किया जाता है।

इसके बीजों को पीसने पर जो तेल प्राप्त होता है उससे -

वाहनों के लिये बायोडिजल बनाया जा सकता है (बायोडिजल शत-प्रतिशत नवीनीकरणीय स्रोतों से बनाया जाता है। यह परम्परागत इंधनो का एक स्वच्छ विकल्प है। इसको भविष्य का इंधन माना जा रहा है। बायोडीजल में पट्रोलियम नहीं होता किन्तु इसे सम्यक अनुपात में पेट्रोलियम में मिलाकर विभिन्न प्रकार की गाडियों में प्रयोग किया जा सकता है। बायोडीजल विषैला नही होता; यह बायोडिग्रेडेबल भी है। बायोडिजल वानस्पतिक तेलों से प्राप्त अन्य वैकल्पिक इंधनों से भिन्न है। बायोडीजल को बिना किसी परिवर्तन किये ही डीजल इंजनों में प्रयोग कर सकते हैं जबकि वनस्पति तेलों से प्राप्त इंधनों को केवल इग्निशन कम्बस्शन वाले इंजनों में ही प्रयोग ला सकते हैं और वह भी कुछ परिवर्तनों के बाद। इस कारण, बायोडिजल प्रयोग में सर्वाधिक आसान इंधनों में से एक है। और सबसे अच्छी बात यह है कि खेती में काम आने वाले उपकरणों को चलाने के लिये सबसे उपयुक्त है। बायोडिजल जिस प्रक्रिया द्वारा निर्मित किया जाता है उसे ट्रान्स-इस्टरीकरण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में वनस्पति तेल या वसा से ग्लीसरीन को निकालना होता है। इस प्रक्रिया में मेथिल इस्टर और ग्लीसरीन आदि सह-उत्पादभी मिलते हैं। बायोडीजल में सल्फर और अरोमैटिक्स नहीं होते जो कि परम्परागत इंधनों में पाये जाते हैं। बायोडिजल के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह दूसरे इंधनों की भांति पर्यावरण के लिये हानिकारक नहीं है। इसके अलावा यह ऐसे स्रोतों से प्राप्त होता है जो पुन: नवीन किये जा सकते हैं। परम्परागत इंधनों की तरह यह प्रदूषण करने वाला धुवां नही पैदा करता।

सीधे लालटेन में डालकर जलाया जा सकता है

इसे जलाकर भोजन पकाने के काम में लिया जा सकता है

इसके तेल के अन्य उपयोग हैं - जलवायु संरक्षण, वार्निश, साबुन, जैव कीट-नाशक आदि

इसके फूल और तने औषधीय गुणों के लिये जाने जाते हैं।

इसकी पत्तियां घाव पर लपेटने (ड्रेसिंग) के काम आती हैं।

इसके अलावा इससे चर्मरोगों की दवा, कैंसर, बाबासीर, ड्राप्सी, पक्षाघात, सर्पदंश, मच्छर भगाने की दवा तथा अन्य अनेक दवायें बनती हैं।

इसके छाल से गहरे नीले रंग की डाई और मोम बनायी जा सकती है।

इसकी जडों से पीले रंग की डाई बनती है।

इसका तना एक निम्न-श्रेणी की लकडी का भी काम करता है। इसे जलावनी लकडी के रूप में प्रयोग किया जाता है।

जत्रोफा अक्षय उर्जा का एक प्रमुख साधन बन सकता है।

भारत जैसे देशों की जीवाश्म इंधन पर निर्भरता समाप्त करके आत्मनिर्भर बना सकता है।

इसकी खेती और उपयोग के लिये कोई तकनीक नही चाहिये; प्रसंस्करण की सारी की सारी जरूरतें एक गांव में ही पूरी की जा सकती हैं।

इसके विपरीत इसकी खेती श्रम-प्रधान होने के कारण भारत जैसे अधिक जनसंख्या वाले देशों के लिये बहुत उपयुक्त है।

इसकी खेती से महिलाओं, बृद्धों, बच्चों, गरीब और अशिक्षित जनता को भारी मात्रा में रोजगार मिलेगा जिससे गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी।

इससे कृषि पर आधारित उद्योगों को बढावा मिलेगा।

एक तरफ जहां जत्रोफा को एक वरदान की तरह माना जा रहा है, कुछ लोग बडे पैमाने पर इसकी खेती का विरोध भी कर रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय अब राज्य सरकारों की मदद से इस पर विभिन्न संस्थानों के जरिए शोध को आगे बढ़ाने में लगा है। साथ ही यह कारण भी खोजा जा रहा है कि जेट्रोफा के अंदर ऐसा क्या है जो सभी तकनीकों के प्रति प्रतिरोध की क्षमता रखता है...

कृषि और बागबानी कार्य करने के लिए क्या करना चाहिए

बसंत कालीन के समय में कृषि और बागबानी कार्य करने के लिए क्या क्या करना चाहिए यह किसानों को जानकारी होना अति आवश्यक है ,किसान भाई समय के अनुसार अपनी फसलों की देखवल कर सकते हैं

▶▶ बागवानी

आम में खर्रा रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) से बचाव के लिए माह के प्रथम पक्ष में घुलनशील गंधक 80 प्रतिशत डब्लू. पी. 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम 1 लीटर पानी में घोलकर) घोल का छिड़काव करें. द्वितीय पक्ष में कैराथेन या कैलिक्सिन 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

- आम में भुनगा कीट की रोकथाम के लिए इमिड़ाक्लोप्रिड 1.0 मिली. प्रति 3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें.

▶▶ पुष्प व सगन्ध पौधे

- गुलदाउदी के सकर्स को अलग करके गमलों में लगा दें.

- गर्मी के फूलों जैसे जीनिया, सनफ्लावर, पोर्चुलाका व कोचिया के बीजों को नर्सरी में बोयें.

- मेंथा में 10-12 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें तथा बुवाई के 30 दिन बाद निराई-गुड़ाई कर दें.

- बुवाई के समय के हिसाब से गेहूं में दूसरी सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद तथा तीसरी सिंचाई 60-65 दिन की अवस्था में कर दें. चौथी सिंचाई बुवाई के 80-85 दिन बाद बाली निकलने के समय करें.

- गेहूँ के खेत में चूहों का प्रकोप होने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें.

खेत में यदि कंडुआ रोग से ग्रस्त बाली दिखाई दे तो उसे निकाल कर जला दें.

चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाव के लिए फली बनना शुरू होते ही बैसिलस थूरिनजेन्सिस (बी.टी.) 1.0 किग्रा अथवा फेनवैलरेट 20 प्रतिशत ई.सी.1.0 लीटर अथवा क्यूनालफास 25 प्रतिशत ई.सी. 2.0 लीटर प्रति हेक्टेयर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

मटर में बुकनी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर 2.0 किग्रा घुलनशील गंधक या कार्बेन्डाजिम 500 ग्राम दर से 12-14 दिन के अंतराल पर दो छिड़काव करें.

माहूं कीट की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर मिथाइल-ओ-डिमेटान 25 ई.सी. 1.00 लीटर या मैलाथियान 50 ई.सी. 1.50 लीटर का प्रयोग करना चाहिए.

- बसंतकालीन गन्ने की बुवाई देर से काटे गये धान वाले खेत में और तोरिया/मटर /आलू की फसल से खाली हुए खेत में की जा सकती हैं.

- गन्ने की मध्यम एवं देर से पकने वाली प्रमुख किस्में - को.शा. 767, को.शा. 802, को.शा. 7918 एवं को.शा. 8118 आदि हैं. तो वहीं, जल्दी तैयार होने वाली किस्में - को. पन्त 211, को.शा. 687 व को.शा. 8436 आदि हैं.

जल-निकास की समस्या वाले क्षेत्रों के लिए बी.ओ. 54 व बी.ओ. 91 अच्छी किस्में हैं.

आइए आपको बताते हैं कि आप फरवरी में कौन-कौन सी लता वर्गीय सब्जियों की बुवाई कर सकते हैं. बाजार में आने वाले मौसम और समय को देखते हुए ही किसानों को बुवाई करनी चाहिए जिससे बाज़ार में उसकी मांग के चलते अच्छी कीमत मिल सके

इसकी खेती देश के लगभग सभी राज्यों में की जाती है. चिकनी तोरई के सूखे बीजों से तेल भी निकाला जाता है. आपको बता दें कि फल में अधिक मात्रा में पानी होने के कारण इसकी तासीर ठंडी होती है. तोरई की खेती के लिए गर्म तथा आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है और साथ ही जल निकास वाली जीवांशयुक्त सभी प्रकार की मिटटी में इसकी बुवाई की जा सकती है. इतना ही नहीं, अच्छी पैदावार के लिए बलुई दोमट या दोमट मिटटी अधिक उपयुक्त मानी गयी है.

उन्नत किस्में- पूसा स्नेलध, काशी दिव्या, स्वर्ण प्रभा, कल्याणपुर हरी चिकनी, राजेन्द्र तोरई 1, पंत चिकनी तोरई 1 इसकी किस्मों में शामिल हैं.

गर्मियों में तैयार होने वाली इसकी फसल बहुउपयोगी है. करेला कई बिमारियों के लिए लाभदायक है, इसलिए इसकी मांग भी बाजार में ज़्यादा रहती है. किसान इससे अच्छा मुनाफ़ा कमा सकते हैं. करेले की फसल को पूरे भारत में कई प्रकार की मिटटी में उगाया जाता है. वैसे इसकी अच्छी वृद्धि और उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास युक्त जीवांश वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है.

उन्नत किस्में- किसान फरवरी में करेले की पूसा हाइब्रिड 1,2 की बुआई कर सकते हैं. इसके साथ ही पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कल्याणपुर, प्रिया को- 1, एस डी यू- 1, कोइम्बटूर लांग, कल्यानपुर सोना, बारहमासी करेला, पंजाब करेला- 1, पंजाब- 14, सोलन हरा, सोलन और बारहमासी भी इनमें शामिल हैं.

लौकी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज लवण के अलावा पर्याप्त मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं. इसकी खेती पहाड़ी इलाकों से लेकर दक्षिण भारत के राज्यों तक की जाती है. इसके सेवन से गर्मी दूर होती है और यह पेट सम्बन्धी रोगों को भी दूर भगाती है. इसकी खेती के लिए गर्म और आद्र जलवायु की आवश्यकता होती है. सीधे खेत में बुवाई करने के लिए बुवाई से पहले बीजों को 24 घंटे पानी में भिगोकर रखें. इससे बीजों की अंकुरण प्रक्रिया गतिशील हो जाती है. इसके बाद बीजों को खेत में बोया जा सकता है.

उन्नत किस्में- लौकी की किस्मों में पूसा संतुष्टि, पूसा संदेश (गोल फल) , पूसा समृध्दि एवं पूसा हाईबिड 3, नरेंद्र रश्मी, नरेंद्र शिशिर, नरेंद्र धारीदार, काशी गंगा और काशी बहार शामिल हैं.

खीरे की तासीर ठंडी होती है और यही वजह है कि लोग इसका उपयोग गर्मियों में ज़्यादा करते हैं जिससे अपने आप को गर्मी से बचा सकें. इसका सेवन पानी की कमी को भी दूर करता है. देश के कई क्षेत्रों में इसकी खेती प्राथमिकता पर की जाती है. इसकी खेती के लिए सर्वाधिक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए. साथ ही अच्छे विकास के लिए तथा फल-फूल के लिए 25 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान अच्छा माना जाता है. इसकी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट भूमि, जल निकास के साथ बेहतर मानी जाती है.

उन्नत किस्में- जापानी लौंग ग्रीन, चयन, स्ट्रेट- 8 और पोइनसेट, स्वर्ण पूर्णिमा, पूसा उदय, पूना खीरा, पंजाब सलेक्शन, पूसा संयोग, पूसा बरखा, खीरा 90, कल्यानपुर हरा खीरा, कल्यानपुर मध्यम और खीरा 75, पीसीयूएच-1, स्वर्ण पूर्णा और स्वर्ण शीतल शामिल हैं.

पौधों में पोषक तत्वों की कमी के लक्षण पत्तियों पर दिखाई देते हैं. हर एक तत्व की कमी के लक्षण अलग-अलग होते हैं. अधिकतर अवस्थाओं में पत्तियां पीली हो जाती हैं. अगर इस पीलेपन की समय पर पहचान हो जाए तो उपयुक्त खाद या पर्णीय स्प्रे के द्वारा इसको दूर किया जा सकता है.

गेहूं की खड़ी फसल में पीलेपन के कई कारण हो सकते हैं. इस पीलेपन की समस्या का समाधान पीलेपन के कारण में ही निहित है इसलिए पहले पीलेपन के कारण को जानना अति आवश्यक है.

किसी भी अवशेष या भूमि की कार्बन नत्रजन (सीन्एन) अनुपात 20:1 के आसपास आदर्श मानी जाती है, परंतु यदि यह अनुपात ज्यादा हो जाए तो मृदा के अंदर परिवर्तन होता है. जब किसान भाई खेत तैयार करते हैं तो पुरानी फसल के कार्बनिक अवशेष खेत में मिल जाते हैं. इन अवशेषों के कारण खेत में कार्बन तथा नत्रजन का अनुपात बढ़ता है. इसे सीन्एन अनुपात कहते हैं यानि कार्बनन्त्रजन अनुपात. यह अनुपात प्राप्त पोषक तत्वों की मात्रा फसल को मिलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यदि हम धान की पराली मिट्टी में दबाएं जिसकी सीएन अनुपात 80:1 होती है, तो सूक्ष्म जीव जैसे बैक्टीरिया, फफूंद, अक्टिनोमीसीटेस आदि क्रियाशील हो जाते हैं तथा इसके विघटन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं. ये ज्यादा मात्रा में कार्बन डाई ऑक्साइड पैदा करते हैं. परंतु ये नाइट्रेट नत्रजन को, जोकि पौधों को लेनी होती है, उसे भोजन के रूप में उपयोग करते हैं. इससे मृदा में नत्रजन की कमी आ जाती है तथा कमी के लक्षण पुरानी पत्तियों पर पीलेपन के रूप में दिखाई देते हैं. इससे नत्रजन की कमी आती है जिसको रोकने के लिए बुवाई के समय यूरिया डालने की सलाह दी जाती है.

चूंकि नत्रजन पौधों में चलायमान है, इसकी कमी के लक्षण पौधे में पहले पुरानी पत्तियों पर दिखाई देते हैं. नयी पत्तियां हरी रहती हैं. पुरानी पत्तियां पीली पड़ जाती हैं. कमी ग्रस्त पौधों की ऊंचाई कम होती है तथा शाखाएं कम बनती हैं. ज्यादा कमी की अवस्था में पूरी पत्ती पीली होकर जल जाती है. इस तत्व की पूर्ति के लिए 130 किलो यूरिया की सिफ़ारिश है. यदि फॉस्फोरस डी ए पी के द्वारा दिया जाना है तो 110 किलो यूरिया डालें. खड़ी फसल में कमी आने पर 2.5 प्रतिशत यूरिया का घोल साडावीर 4G का छिड़काव करना लाभदायक है.

लोहे की कमी में पीलापन नई पतियों पर दिखाई देता है जबकि नाइट्रोजन की कमी में पीलापन पुरानी पत्तियों में दिखाई देता है. हल्का पीलापन धारियों में दिखाई देता है. अगर खरीफ़ सीजन में खेत में ज्वार या मक्का की फसल की बुवाई की गई हो तो इनकी पत्तियों को देखें. यदि नई पत्तियों पर सफ़ेद धारियाँ दिखाई दें तो लौह तत्व की कमी है. ऐसे में फेरस सल्फेट 1 किलो व साडावीर 4G का या 500 ग्राम ब्रह्मास्त्र छिड़काव करना लाभदायक है.

सल्फ़र की कमी के कारण भी फसलों में नए पत्ते पीले हो जाते हैं. सल्फ़र की कमी गेहूं में कम ही देखने को आती है पर मिट्टी की जांच करवा कर सल्फ़र की कमी को दूर करना लाभदायक रहता है. फसल के बुवाई से पहले खेत तैयार करते समय 200 किलोग्राम 4 (बैग) जिप्सम डालने से खेत की भौतिक दशा के सुधार होने के साथ-साथ सल्फ़र की मांग भी पूरी हो जाती है.ऐसे में सल्फर 200 मिली व साडावीर फंगस फाइटर का छिड़काव या 500 ग्राम ब्रह्मास्त्र करना लाभदायक है. बोरान की कमी के कारण भी फसलों में नए पत्ते पीले हो जाते हैं. बोरान की कमी गेहूं में कम ही देखने को आती है पर मिट्टी की जांच करवा कर बोरान की कमी को दूर करना लाभदायक रहता है. फसल के बुवाई से पहले खेत तैयार करते समय 3 किलो बोरान व् 1 किलो साडावीर डालने से खेत की भौतिक दशा के सुधार होने के साथ-साथ बोरान की मांग भी पूरी हो जाती है.ऐसे में बोरान 1 किलो व साडावीर 4G या 500 ग्राम ब्रह्मास्त्र का छिड़कावकरना लाभदायक है.